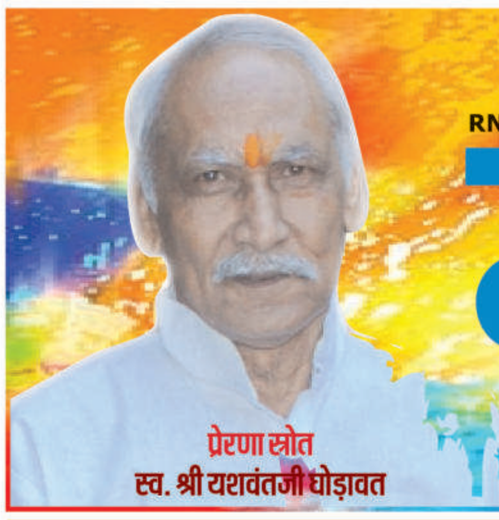

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ... सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 23 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 09 मार्च 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

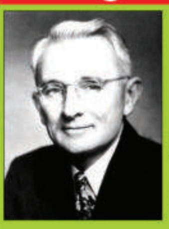

यदि भाग्य आपके हाथ में नींबू ही दे, तो नींबू का शरबत बना लें।
डेल कार्नेगी

बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में अश्लीलता और भगवान के अपमान को लेकर घिरी भाजपा

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर अश्लीलता का मामला गरमाया

रतलाम से लेकर भोपाल तक विरोध शुरू, राष्ट्रीय नेताओं ने ट्वीट कर जताई आपत्ति, विधायक कश्यप का फूंका पुतला

माही की गूंज, रतलाम।

5 मार्च को एक ओर मुख्यमंत्री ने अपने जन्मदिन पर महिलाओं के सम्मान में लाडली बहना योजना का शुभारंभ कर सुर्खिया बटोरी तो वही दूसरी ओर भाजपा नेताओं ने रतलाम में मुख्यमंत्री के जन्मदिन के नाम पर महिला बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता के नाम पर महिलाओं से अश्लीलता की हदें पार करता प्रदर्शन करवाया। इतना ही नही मंच पर हनुमान जी की प्रतिमा भी थी जिसके आगे महिला बॉडी बिल्डर दो कपड़ो में (अर्ध नग्न) अश्लील तरीके से केटवाक करती नजर आई। आयोजन में फूहड़ता की सारी हदें पार कर दी गई। इस अश्लील आयोजन के बाद कांग्रेस नेता पूर्व विधायक पारस सकेलचा ने कड़ा विरोध दर्ज करवाया।

मामला थाने तक जा पहुँचा। शुरू-शुरू में तो भाजपा नेता आयोजन ओर आयोजनकर्ता रतलाम विधायक चेतन्य कश्यप और रतलाम महापौर प्रहलाद पटेल के सर्मथन में आए। लेकिन लगातार विरोध और सोशल मीडिया पर भाजपा के अश्लील आयोजन के कारण हो रही किरकिरी के चलते भाजपा ने इस मुद्दे पर मौन धारण कर लिया है।

कांग्रेस के बाद हिन्दू संगठन भी विरोध पर उतर गए और भाजपा के इस अश्लील आयोजन की कड़ी निंदा की। आयोजन के बाद भाजपा नेताओं के खिलाफ शहर में हुए बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजन में अश्लीलता परोसने पर कांग्रेस सहित शहरवासी खासे नाराज है। कांग्रेस के आह्वान पर सोमवार को धानमंडी स्थित श्री हनुमान मंदिर पर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। जिसमें प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री हिम्मत कोठारी, पूर्व महापौर पारस सकलेचा और शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया एक साथ नजर आए। कांग्रेस के साथ हिम्मत कोठारी के आने से भाजपा की राजनीतिक हलचल तेज़ हो गई। सोमवार को धानमंडी स्थित हनुमान जी का पूजन कर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू हुआ, जिसमें कांग्रेस महापौर प्रत्याशी मयंक जाट, शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, पूर्व महापौर पारस सकलेचा उपस्थित रहे और कांग्रेस के समर्थन में प्रदेश के पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी ने पहुँच कर समर्थन किया जो भाजपा के लिए मुसीबत बन गया।

शोसल मीडिया पर लगातार विरोध, भोपाल में भाजपा नेताओं की सद्‌बुद्धि के लिए किया हनुमान चालीसा का पाठ

आयोजन के फोटो, वीडियो शोसल मीडिया पर वाइरल होने के बाद इस अश्लील आयोजन को लेकर विरोध और बढ़ गया। रतलाम से निकली राजनीति भोपाल और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच गई। भोपाल कांग्रेस मुख्यालय पर भी हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कई जगहों पर कांग्रेस ने विधायक चेतन्य कश्यप का पुतला तक फूंका दिया। उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आयोजन का फोटो शेयर करते हुए भगवान को मूर्तियों का अपमान न करे भाजपाई का ट्वीट किया। इसी प्रकार कई नेताओं और वरिष्ठ पत्रकारों को पोस्ट सोशल मीडिया पर जम कर वाइरल हुई।

पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने कहा है कि, पुलिस को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, अर्धरात्रि मे घर से उठाकर थाने में इनलीगल डिटेन्शन करने की जगह, यह तलाश करना चाहिए की प्रदेश बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन से अनुमति लिए बिना तथा प्रशासन से अनुमति लिए बीना आयोजन कैसे किया गया। आयोजक विधायक चैतन्य कश्यप पर हिन्दु धर्म का अपमान कर, लोगो की धार्मिक भावना को ठेस पहचाने तथा बीना अनुमति व्यवसायिक आयोजन करने के लिए प्रकरण दर्ज करना चाहिए।

विहिप ने की हनुमानजी के सामने अर्धनग्न प्रदर्शन की निंदा

विहिप ने भी की हनुमानजी के सामने अर्धनग्न प्रदर्शन की निंदा करते हुए कहा, हिन्दू भावना को ठेस पहुचाने वाला आयोजन स्वीकार नही होगा। विहिप मालवा प्रान्त मंत्री सोहनलाल विश्वकर्मा ने बयान जारी कर कहा, खिलाड़ियों द्वारा भगवान हनुमान जी की प्रतिमा के सामने जिस तरह से कॉस्ट्यूम पहनकर शरीर का प्रदर्शन किया गया, वह हिन्दू भावनाओ को ठेस पहुचाने वाला है जो निंदनीय है। विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रांत मंत्री सोहनलाल विश्वकर्मा का जारी वीडियो बयान में विहिप नेता सोहनलाल ने कहा कि, 5 मार्च को बॉडीबिल्डिंग फेडरेशन द्वारा शरीर सौष्ठव की प्रतियोगिता रखी गई थी। इस प्रतियोगिता के मंच पर भगवान हनुमान जी विराजे थे। वहां महिलाओ द्वारा अपने शरीर का जो प्रदर्शन किया गया वह सीधे-सीधे हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। हनुमान जी महाराज अपने आप में ब्रह्मचर्य वृत का पालन करने वाले हैं और यह प्रदर्शन सीधा-सीधा हिंदू भावनाओं को और आस्था को ठेस पहुंचाने वाला है। आयोजकों से विश्व हिंदू परिषद ने कहा, इस प्रकार के आयोजनों को विश्व हिंदू परिषद स्वीकार नहीं करता है, जिससे आस्था को ठेस पहुंचती हो। खेल का हम सम्मान करते हैं। समस्त मातृशक्ति वंदनीय है। प्रतियोगिता और प्रदर्शन हिंदू भावनाओं के विपरीत की गई है ऐसा प्रतीत होता है। विश्व हिंदू परिषद ने विरोध करते हुए अश्लील आयोजन की निंदा की।

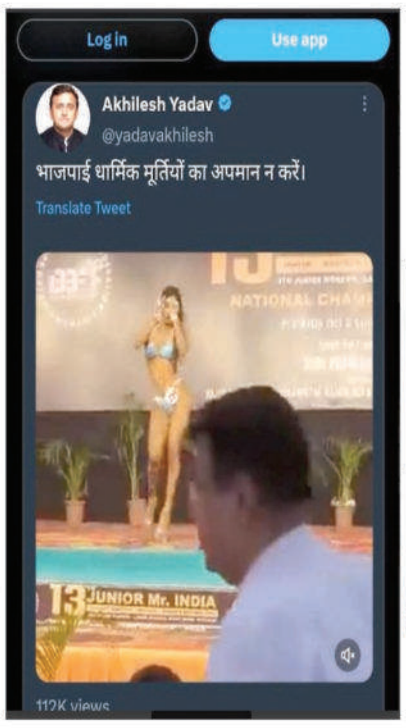

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में दिखाई ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय नौसेना के प्रमुख समुद्री युद्ध अभ्यास ट्रोपेक्स 2023 का प्रमुख ऑप-लेवल अरब सागर में संपन्न हुआ। इसमें भारतीय नौसेना की सभी इकाइयों के साथ-साथ भारतीय थल सेना, भारतीय वायु सेना और तटरक्षक बल से जुड़ी परिसंपत्तियों की भी भागीदारी हुई। ट्रोपेक्स में लगभग 70 भारतीय नौसेना जहाजों, छह पनडुब्बियों और 75 से अधिक विमानों ने भी अपनी ताकत दिखाई।

इस अभ्यास के दौरान ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स के साथ-साथ युद्ध के दौरान होने वाली गतिविधियों को भी परखा गया। नौसेना के संचालन की अवधारणा को मान्य और परिष्कृत करने के लिए युद्धपोतों, कार्वेट के साथ-साथ पनडुब्बियों और विमानों की क्षमता भी देखी गई।

भारतीय नौसेना की सतह पर स्थित सभी लड़ाकू इकाइयों को जटिल समुद्री परिचालन तैनाती से गुजारा गया। इस अभ्यास में हथियारों से प्रत्यक्ष फायरिंग सहित युद्ध संचालन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। इसे विभिन्न चरणों में बंदरगाह और समुद्र दोनों में आयोजित किया जा रहा है। 23 मार्च तक अभ्यास का आखिरी पड़ाव है।

पूरे वैभव से निकलेगा महाकालेश्वर वीरभद्र ध्वज चल समारोह

उज्जैन। रंगपंचमी पर 12 मार्च को गेर के रूप में शौर्य और विजय की 500 वर्ष पुरानी परंपरा का निर्वहन नगर में होगा। इस दौरान ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर से शाम 7 बजे ध्वज पूजन के बाद श्री महाकालेश्वर वीरभद्र ध्वज चल समारोह निकाला जाएगा। चल समारोह में राजभवन के ध्वज के साथ बैंड बाजे भी शामिल रहेंगे। वहीं, चल समारोह का प्रमुख आर्कषण भगवान वीर भद्र का रथ व भगवान महाकाल की झांकी आस्था का केंद्र रहेगी। इस दौरान महाकाल मंदिर के साथ ही सिंहपुरी, कार्तिक चौक तथा भागसीपुरा से भी चल समारोह निकाले जाएंगे।

यह रहेगा प्रमुख आर्कषण

चल समारोह में हाथी, घोड़े, ऊंट, बग्घी, चांदी का ध्वज, जरी के 21 ध्वज, श्री वीरभद्र भैरवनाथ के रथ के साथ चलित झांकियां, उज्जैन, इंदौर सहित देश के कई बैंड की धार्मिक, राष्ट्रीय गीतों और भजनों की स्वर लहरियों,

नासिक-पुणे का 75 सदस्यीय ढोल-ताश पार्टी दल थाप लोगों को मंत्रमुग्ध करते नजर आएंगे। महाकाल की गेर में नगरवासियों को देश के कई राज्यों की धर्म, संस्कृति एवं वाद्य यंत्रों की झलक देखने को मिलेगी। करीब दो किलोमीटर लंबी महाकाल की आकर्षक गेर तोपखाना, दौलतगंज, फव्वारा चौक, नई सड़क, कंठाल, सती गेट, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए महाकाल मंदिर पर संपन्न होगी। चल समारोह में महाकाल मंदिर के पुजारी, पुरोहित, श्रद्धालु शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलियाई व भारतीय पीएम को मोदी स्टेडियम में दिया लैप ऑफ ऑनर

नई दिल्ली।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज अहमदाबाद पहुंचे। यहां दोनों को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर दिया गया। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर हमला किया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्ममुग्धता चरम पर है। वहीं, भाजपा ने इसे 'क्रिकेट डिप्लोमेसी' करार दिया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, अपने जीवन काल में जिस स्टेडियम का नाम अपने खुद के नाम पर रखा है उस स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनर ले रहे हैं। यह आत्ममुग्धता की पराकाष्ठा है। वहीं, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार किया और इसे क्रिकेट डिप्लोमेसी करार दिया।

मोदी और अल्बनीज ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दोस्ती के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशेष रूप से डिजाइन की गई गोल्फ कार पर पूरे मैदान में लैप ऑफ ऑनर लिया। दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी टीम के कप्तानों रोहित शर्मा और स्टीव स्मिथ को टेस्ट कैप सौंपी। दोनों ही देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान भी बजाए गए। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 'हॉल ऑफ फेम संग्रहालय' का भी दौरा किया। अल्बनीज बुधवार शाम अहमदाबाद पहुंचे और साबरमती आश्रम की यात्रा की। अल्बनीज ने कहा कि, उनके देश और भारत सरकार ने ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा योग्यता मान्यता तंत्र को अंतिम रूप दे दिया है।

विदेशी यह नहीं जानते कि राहुल गांधी वास्तव में पप्पू हैं- किरेन रिजिजू

नई दिल्ली।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी कैंब्रिज विश्वविद्यालय में दिए अपने संबोधन को लेकर सत्ता पक्ष के निशानें पर हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उनके खिलाफ ताजा हमला किया है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी भारत की एकता के खिलाफ खतरा बन चुके हैं। वह भारत को बांटने के लिए लोगों को उकसा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, स्वघोषित कांग्रेस राजकुमार ने सारी हदें पार कर दी हैं। उन्हौंने यह भी कहा कि विदेशी लोग यह नहीं जानते हैं कि वह वास्तव में पप्पू हैं।

रिजिजू ने ट्वीट कर कहा, भारत के लोग जानते हैं कि राहुल गांधी पप्पू हैं, लेकिन विदेशी यह नहीं जानते कि वह वास्तव में पप्पू हैं। उनके मूर्खतापूर्ण बयानों पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि उनके भारत विरोधी बयानों का भारत विरोधी ताकतों द्वारा भारत की छवि को धूमिल करने के लि दुरुपयोग किया जाता है।

राहुल ने मोदी पर लगाए कई आरोप

कै ंबि ज विश्वविद्यालय में राहुल गांधी के भाषण का वीडियो ट्वीट करते हुए उन्होंने यह हमला किया है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र पर भारत की वास्तुकला को नष्ट करने का आराप लगाया। वहीं, रिजिजू ने कहा कि, पीएम मोदी का एकमात्र मंत्र 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' है।

भारत को चकनाचूर कर रहे हैं मोदीः राहुल गांधी

कैंब्रिज में बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि, क्या उन्हें नरेंद्र मोदी सरकार की कोई नीति अच्छी लगती है। इसका जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, बुनियादी तौर पर वह असहमत हैं, एक-दो अच्छी चीजें ढूंढ़ लेने से सारी बातें छूट जाती है। उन्होंने कहा, मेरे विचार में नरेंद्र मोदी भारत की वास्तुकला को नष्ट कर रहे हैं। मुझे दो या तीन अच्छी नीतियों के बारे में परवाह नहीं है। वह मेरे देश को चकनाचूर कर रहे हैं। वह भारत पर एक विचार थोप रहे हैं, जिसे भारत आत्मसात नहीं कर सकता। भारत राज्यों का एक संघ है। यदि आप एक विचार को एक संघ पर थोपने की कोशिश करते हैं, तो वह इसकी प्रतिक्रिया देगा।

भाजपा और कांग्रेस राहुल गांधी के लंदन के उन बयानों को लेकर एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं, जिसमें कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी, भाजपा सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने चीनी खतरे के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर की समझ पर सवाल उठाया और आरएसएस की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड से की थी।

बालिका सशक्तिकरण की दिशा में राजपूत समाज का ऐतिहासिक निर्णय

अब बाालिकाओं के जन्म पर भी दूण्ढ के आयोजन का किया गया श्रीगणेश

माही की गूंज, झाबुआ।

राजपुत समाज ने इस वर्ष से बालिकाओं की ढुण्ड परम्पराओं का श्रीगणेश कर बालिका सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम बढाया है। राजपुत समाज के रविराजसिंह राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक राजपुत समाज में जिन परिवारों में पुत्र का जन्म होता है वहां होलिका दहन के बाद ढुण्ढ का आयोजन किया जाने में परम्परा रही है, किन्तु इस बार बालिकाओं के जन्म पर भी ढूण्ढ का आयोजन करने की परिपाटी प्रारंभ करके बालिकाओं के जन्म पर भी इस सामाजिक परम्परा का श्रीगणेश होना निश्चित ही समाज के लिये गौरव का क्षण हुआ है । नगर के विक्रमसिंह चैहान के पुत्र प्रतिकसिंह चैहान के यहां इस वर्ष पुत्री का जन्म हुआ होकर समाज द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार नवजात बालिका के लिये ढुंण्ढ का आयोजन किया गया । जिसमें राजपुत समाज के अध्यक्ष भेरूसिंह सोंलकी की उपस्थिति में बडी संख्या में समाज के पदाधिकारीगण एवं गणमान्यजनों ने इस रस्म अदायगी में अपनी भूमिका का निर्वाह किया । परम्परा के अनुसार ढूंढ़ कई स्थानों पर अलग अलग समय पर होती हैं, हालांकि होलिका दहन के बाद ही नवजात पुत्रों को ढूंढने की रस्म अदा होती है। धुलंडी के दिन वर्ष भर में जन्मे बच्चों की ढूंढ की परम्परा के निर्वहन के साथ ही स्वस्थ जीवन की कामना की जाती है। इससे पूर्व कई कार्यक्रम होते हैं। बच्चे के ननिहाल वाले पहली बार कपड़े व आभूषण लेकर आते है पर्व को लेकर महिलाओं द्वारा घर की साफ सफाई की जाती है।

किवदन्ती के अनुसार प्राचीन काल में पिंगलासुर नाम का राक्षस था, जो नवजात शिशुओं को खा जाता था। रक्षा के लिए गांव के लोग लट्ट लेकर खड़े होने लगे। बाद में यह परम्परा ढूंढोत्सव के रूप में मनाई जाने लगी, जिसमें लट्ट का प्रतीकात्मक डंडा लेकर शिशु के आरोग्य व आयु वृद्धि की कामना की जाती है। ढूंढ हिंदू धर्म को मानने वालों की एक सामाजिक रस्म है. यह बच्चे के जन्म से जुडी हुई है. जब किसी हिंदू परिवार में बच्चे का जन्म होता है तो बच्चे के जन्म के तुरंत बाद जो भी पहली होली आती है तब ढूंढ पूजन की रस्म की जाती है. यह होली से पूर्व आने वाली ग्यारस या होलिका दहन वाले दिन की जाती है.। इस रस्म में नवजात शिशु की माता चुंदरी पीला ओढ़ कर बैठती है. यह पीला या बेस बच्चे के ननिहाल पक्ष से भेजा जाता है. पूजा के लिए सामग्री चावल और ज्वार के फूलिए, सूखे सिंघाड़े, पतासे और बूंदी के लड्डू बच्चे के ननिहाल से आता है।. ननिहाल के अलावा कई स्थानों पर यह सामग्री बच्चे की बुआ के घर से भी लायी जाती है. इसके अलावा बच्चे के लिए सफेद कपडे भेजे जाते हैं।. ढूंढ पूजन के दौरान बच्चे को यही कपडे पहनाए जाते हैं.। हालांकि ऐसी मान्यता है कि घर में किसी बच्चे का जन्म होने पर उसकी ढूंढ करवाई जाती है. लेकिन बदलते सामाजिक सोच के साथ लड़कियों के जन्म पर भी ढूंढ परंपरा निभाने का राजपुत समाज द्वारा निर्णय लेकर इसे क्रियान्वित किया जारहा है। श्री रविराजसिंह राठौर के अनुसार मुझे गर्व है मेरे अपने उस समाज पर जो सदा सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनता आ रहा है । उसी समाज द्वारा नगर मे एक नया इतिहास रचने का क्रम प्रारंभ किया है। राजपुत समाज जहां कभीं वीरांगनाओं ने जन्म लिया, बलिदान दिया और अपने समाज ही नहीं वरन पूरे हिंदू राष्ट्र का गौरव मान सम्मान बढ़ाया, ऐसी ही वीरांगनाओं के सपूत हम हमारा समाज और अन्य समाज उसका अनुसरण करते हुए आज ''बेटी बढ़ाओ बेटी पढ़ाओ'' का अनुसरण करते हुए बेटियों को सम्मानित कर रहा है और अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है। ऐसी ही प्रभा ढूंढ की राजपूत समाज में सदियों से चली आ रही है और पहले भी राजपूत समाज में बेटियों की ढूंढ का कार्यक्रम हुआ है। उन्होने कहा कि मेरे अपने परिवार में भी बालिकाओं के जन्म पर ढुण्ढ का आयोजन हुआ है और आज हमें वर्तमान में गौरवान्वित होने का सौभाग्य विक्रम सिंह जी चैहान ने अपनी पोती की ढूंढ का कार्यक्रम रखकर यहां अवसर हमें प्रदान किया । इसके लिए राजपूत समाज ही नहीं अन्य सभी समाज भी बधाई के पात्र हैं । राजपूत समाज बेटे बेटी का भेदभाव मिटाकर राजपूत चैहान परिवार में लड़की होने पर खुशियां मनाते हुए ढूंढ का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर में अन्य समाज द्वारा भी बालिका सशक्तिकरण की कडी मे आयोजित इस कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रसंशा की जारही है।

पौधरोपण और लाड्ली बह्ना के पंपलेट वितरीत कर , की जन जागरूकता

माही की गूंज, झाबुआ। झाबुआ के भगोरिया उत्सव के दौरान भगोरिया मेले में पहले कॉलेज कैंपस में पौधरोपण करने के पश्चात ग्रामीण ओर शहरी महिलाओं को लाड़ली बहना योजना की जानकारी देते हुए आवेदन और जानकारी के पंपलेट का वितरण किए गए ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्म दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित एम एस और बी एस डब्ल्यू पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं और मेंटर्स एवं चयनित नवांकुर संस्था संस्कृति युवा मंडल समिति एवं नगर विकास समिति के सदस्यों द्वारा कॉलेज कैंपस में फूलों एवं फलों के 10 से 12 पौधे लगाए गए। इसके पश्चात झाबुआ के भगोरिया मेले में जन जागरूकता हेतु भगोरिया करने आई माता बहनों को कॉलेज रोड और राजवाड़ा परिसर , जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर लाडली बहना योजना के बारे में समझाया गया। और इसके आवेदन और जानकारी के पंपलेट वितरण किए गए। पूरे दिन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था , मेंटर्स, छात्र छात्राओं और नगर विकास प्रस्फुटन समितियो के सहयोग से 1000 पंपलेट और इसी की जानकारी ग्रामीण , शहरी माताओं बहनों और ग्रामीणों को प्रदान की गई। इस जन जागरूकता के कार्य में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर ,ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर के नेतृत्व में मेंटर्स प्रो. अजय कुमार, प्रकाश मेडा , डा. मुकेश डामोर , प्रो. अंतिम कलवार, जया परमार एवं नवांकुर संस्था से अध्यक्ष राजेश बैरागी , नगर विकास प्रस्फुटन समिति से वंदना व्यास , प्रकाश मेड़ा, राम प्रसाद वर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

जिला पंचायत की सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित होगी

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव द्वारा दिनांक 03 मार्च को पत्र जारी किया है। जिसमें जिला पंचायत की सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज 10 मार्च शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनल जसवंत सिंह भाभर की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक में उपाध्यक्ष एवं समस्त जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहेंगे। बैठक में जो एजेण्डा निर्धारित किया गया है, उसमें डीआरडीए प्रशासन मद में आवंटन के अभाव में जिला पंचायत की ब्याज राशि से अतिआवश्यक कार्य हेतु खर्च करने की अनुमति के संबंध में, डीआरडी प्रशासन मद में आवंटन प्राप्त होने पर उक्त राशि समायोजन की जाने के संबंध में एवं अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से जारी करने के संबंध में होगी। वैष्णव ने निर्देश दिये है कि विभाग अपनी जानकारी के साथ स्वयं उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना, विभिन्न विकासखण्ड स्तर पर विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

योजना का लाभ लेने हेतु संबंधित जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं- कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर रजनी सिंह ने निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह /निकाह योजना विभिन्न विकासखण्ड स्तर पर विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योजना का लाभ लेने हेतु संबंधित जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में आवेदक अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। मध्यप्रदेश शासन की प्रमुख योजनाओं में से एक सामाजिक न्याय एवं निशक्त कल्याण विभाग अन्तर्गत मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना 1 अप्रैल 2006 से प्रारम्भ की गई है। यह एक हितग्राही मूलक योजना है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में निवासरत जरूरतमन्द कन्याओं, विधवाओं (कल्याणी) परित्यक्ता बहनों का उनके विवाह के समय आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत् जनपद पंचायत द्वारा आयोजित होने वाले सामुहिक विवाह कार्यक्रमों में निराश्रित, निर्धन परिवार की कन्या/विधवा/परित्यक्ता महिलाओं को विवाह करने पर राशि 11 हजार रु का नगद भुगतान, यहां पर सामुहिक विवाह कार्यक्रम के दिन राशि 38 हजार रुपये की गृहस्थी का सामान तथा आयोजनकर्ता निकाय को आयोजन के लिए 6 हजार रुपये का भुगतान किए जाने का प्रावधान है। कन्याओ को प्रदाय सामग्री एवं फर्म का निर्धारण जिला ऋय समिति द्वारा किया जायेगा।

इसी तारतम्य में जिला झाबुआ में विभिन्न विकासखण्ड स्तर पर निम्नानुसार तिथियों में विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 24 मार्च 2023 को जनपद पंचायत झाबुआ, 25 मार्च 2023 जनपद पंचायत थांदला, 15 मार्च 2023 जनपद पंचायत मेघनगर, 21 मार्च 2023 जनपद पंचायत पेटलावद, 23 मार्च 2023 जनपद पंचायत रामा, 25 मार्च 2023 जनपद पंचायत राणापुर। योजना का लाभ लेने हेतु संबंधित जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय में अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज आयु संबंधी दस्तावेज जैसे (अंकसूची, स्कूल प्रमाण पत्र, मतदाता परिचय पत्र, मतदाता सूची, रोजगार गारण्टी जॉब कॉर्ड) बैंक पासबुक, आधार कॉर्ड, 2 फोटो, समग्र आईडी कॉर्ड, आयकरदाता ना होने एवं शासकीय कर्मचारी ना होने एवं शासकीय पेंशन ना होने का स्वप्रमाणित घोषणा पत्र, इत्यादि दस्तावेज की छायाप्रति संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक अथवा संबंधित जनपद पंचायत एवं शहरी क्षेत्र होने पर संबंधित नगर पालिका/परिषद् में आवेदन कर सकते है।

सीएम राईस स्कूल में नवीन प्रवेश प्रांरभ

माही की गूंज,खवासा।

वैसे तो सीएम राईस स्कूल भवन का निर्माण कार्य की शुरुआत हुई है और यह भवन निर्माण लगभग अगले सत्र 2024-25 के लिए पूर्णतः रूप से तैयार हो सकता है। जिसमें शिक्षा संबंधी बच्चों के लिए सभी सुविधाएं जो अशासकीय स्कूल की तर्ज पर उच्च स्तरीय व्यवस्था के साथ स्कूलों में जो सुविधाएं मिलती है वही सारी सुविधाएं बसों के साथ 15 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले बच्चों को सीएम राईस स्कूल में मिलेगी। लेकिन शासन के निर्देशानुसार इसी 2023-24 सत्र में सीएम राइज स्कूल की औपचारिक शुरुआत के निर्देश दिए हैं।

प्राचार्य योगेश मोदी ने बताया कि, नवीन सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ होगा और इसी सत्र से सीएम राइस स्कूल की औपचारिक शुरुआत शासन के निर्देशानुसार किया जाना है। चूँकि संस्था पूर्व से ही एक शाला एक परिसर के अंतर्गत है और कक्षा 6 टी से 12वीं हेतु कक्षाओं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात स्वतः ही सीएम राइस विद्यालय में प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश हेतु विद्यार्थी पात्र रहेंगे।

वहीं प्राचार्य ने बताया कि, नवीन शैक्षणिक सत्र में नवीन भवन का निर्माण किया जाना है। जिस कारण जीर्ण-शीर्ण भवनों को डिस्मेंटल भी किया जाना है। अतः विद्यालय की बैठक क्षमता को ध्यान में रखते हुए केजी-1 से 5 वीं तक के कुल 115 विद्यार्थियों को नवीन प्रवेश दिया जाएगा। जिसमें केजी-1 व केजी-2 में 20-20 बच्चों तथा पहली से पांचवी तक 15-15 बच्चे को प्रवेश दिया जाएगा। जिसकी प्रवेश की अंतिम दिनांक 20 मार्च 2023 हे।

इन रिक्त सीटों के विरुद्ध अधिक प्रवेश हेतु आवेदन प्राप्त होने पर शासन के निर्देशानुसार पूरी पारदर्शिता के साथ गोटी निकालकर प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसकी सूचना पृथक से दी जाएगी।

कमलनाथ की घोषणा महिलाओं को सशक्त बनाने का सराहनीय कदम

परिवार की प्रत्येक महिला को 18000 प्रति वर्ष व रसोई गैस 500 रुपए में मिलेगी

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनते ही महिलाओं को 18000 प्रतिवर्ष एवं रसोई गैस सिलेंडर 500 मे देने की घोषणा को प्रदेश भर में सराहा जा रहा है। कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही प्रदेश कि हर महिला को 18000 हजार रुपये हर साल आर्थिक सहायता देने एवं रसोई गैस की कीमत 500 करने की पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की घोषणा का स्वागत करते हुए इस योजना को महंगाई नियंत्रित करने एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मील का पत्थर निरूपित किया है। उन्होंने जारी प्रतिक्रिया में कहा कि पीसीसी चीफ एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ स्पष्ट घोषणा की है कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के बाद प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के लिए विश्व की सबसे बड़ी योजना शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत हर महिला के खाते में प्रतिवर्ष 18000 की राशि आएगी।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वह करती है वर्ष 2018 में कर्ज माफी व गौशाला निर्माण की घोषणा भूमि करते हुए 27 लाख किसानों का कर्जा माफ हुआ प्रत्येक जिलों में गौशाला का निर्माण हुआ। कमलनाथ की योजना शिवराज सरकार की कथित लाडली बहना योजना से डेढ़ गुना अधिक आर्थिक राशि महिलाओं को प्रदान करने की योजना है। शिवराज सिंह की योजना में अधिकांश महिलाओं को योजना के लाभ से वंचित करने का षड्यंत्र किया गया है। शिवराज सरकार की कथित लाडली बहना योजना एक दिखावटी एवं महिलाओं को गुमराह करने वाली योजना है। इसके मुकाबले में कांग्रेस सरकार सच्ची और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली योजना लेकर आएगी कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कमलनाथ जो योजना शुरू करने वाले हैं उसका आकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई। किसान सम्मान निधि से 3 गुना अधिक बड़ी है। किसान सम्मान निधि में कृषक परिवार को महज 6000 साल मिलते हैं। जबकि कांग्रेस की महिला सशक्तिकरण योजना में परिवार की महिलाओं को 18000 रुपए प्रति वर्ष प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रा रामेश्वरम हेतु 25 से 30 मार्च तक

रामेश्वरम यात्रा में यात्रियों की संख्या 250 एवं 5 अनुरक्षक जाएंगे आवेदन प्राप्ती की अन्तिम तिथि 14 मार्च, 2023 निर्धारित की गई है

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव के पत्र दिनांक 8 फरवरी 2023 में निर्देश दिये है, कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत तीर्थ यात्रा रामेश्वरम हेतु 25 मार्च से 30 मार्च तक। रामेश्वरम यात्रा में यात्रियों की संख्या 250 एवं 5 अनुरक्षक जाएंगे। आवेदन प्राप्ती की अन्तिम तिथि 14 मार्च, 2023 निर्धारित की गई है। जिले के यात्री मेघनगर से सम्मिलित होंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना यात्रा धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना नियम-2012 एवं इस नियम में समय-समय पर संशोधित नियम (विभागीय बेवसाईट www.dharmasva.mp.gov.in पर उपलब्ध) का अवलोकन करने का कष्ट करें। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों जो 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति (महिलाओं के मामले में 2 वर्ष की छूट) जो आयकरदाता नहीं है, को प्रदेश प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न नाम निर्दिष्ट तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीथों की यात्रा सुलभ कराने हेतु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना परिकल्पित की गयी है।

योजना का क्रियान्वयन IRCTC (Indian Railway Catering and Tourism Corporation Limited) जो कि भारत सरकार का उपक्रम है, के द्वारा किया जा रहा है। यात्रा आईआरसीटीसी के पैकेज के अनुसार की जायेगी। ट्रेन जिस स्थान से प्रारंभ होगी उसी स्थान पर ही वापस आकर रुकेगी। यात्रियों का चयन संबंधित जिले के कलेक्टर द्वारा किया जायेगा। चयन के पश्चात् कलेक्टर यात्रियों की एक-एक सूची संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, अपर बेसमेंट, बी विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल तथा आईआरसीटीसी के पर्यावास भवन, भोपाल स्थित कार्यालय को उपलब्ध करायेगे। उक्त सूची एवं आनुशंगिक कागजाती को स्थायी अभिलेख के रूप में कलेक्टर द्वारा संधारित किया जावेगा।

तीर्थ यात्रियों को विशेष ट्रेन द्वारा प्रस्थान के स्टेशन से लेकर यात्रियों को वापस उसी स्टेशन पर पहुंचाने की जिम्मेदारी आईआरसीटीसी की रहेगी। यात्रा के दौरान यात्रियों को भोजन, नाश्ता एवं चाय आदि आईआरसीटीसी उपलब्ध करायेगा। यात्रियों के रुकने की व्यवस्था, उन्हें तीर्थ स्थल तक बसों द्वारा ले जाने, वापस ट्रेन में लाने एवं गाइड आदि की व्यवस्था भी आईआरसीटीसी करेगा। आईआरसीटीसी द्वारा सी यात्रियों को तुलसी माला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जा तथा तीर्थ यात्रियों के लिए भजन की व्यवस्था तथा भजन संध्या का आयोजन भी किया जायेगा। ट्रेन जिन-जिन स्टेशनों से प्रारंभ होगी एवं रुकेगी यहाँ तक यात्री को स्वयं अपने व्यय से आना होगा। उसके पश्चात् यात्रा हेतु कोई शुल्क देय नहीं होगा। परन्तु यदि कोई यात्री विशिष्ठ सुविधा का लाभ प्राप्त करता है, उसका व्यय यात्री स्वयं वहन करेगा। यात्रियों से अपेक्षा है कि ये मौसम के अनुरूप वस्त्र, ऊनी वस्त्र व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री यथा कंबल, चादर, तौलिया, साबुन, गंधा, दवाईयां, दाढ़ी बनाने का सामान आदि साथ में रखें। तीर्थ यात्री अपने साथ ओरीजनल आधार कर वोटर कार्ड एवं पूर्ण कोविड़ वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट की छायाप्रति अनिवार्य रूप से रखें। प्रत्येक ट्रेन में कुल 1000 बर्थ उपलब्ध रहेंगी। इन वर्षो के विरूद्ध तीर्थ यात्रियों/सहायको/अनुरक्षक (एस्कार्ट) के रूप में शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों को भेजा जाना है। ट्रेनों में उपलब्ध एवं अनुरक्षकों की संख्या को प्रत्येक जिले के लिये आवंटित किया गया है, ट्रेन जिस जिले से प्रारंभ होगी उसी जिले से सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था की जाएगी।

आवेदक एक या एक से अधिक स्थान के लिये यात्रा हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। परन्तु वह केवल एक ही स्थान की यात्रा कर सकेगा। यदि लाटरी में एक से अधिक स्थानों की यात्रा हेतु आवेदक का चयन होता है तब जिस स्थान की यात्रा में उसका नाम चयन सूची में ऊपर है उस स्थान के लिये उसे समझा जायेगा। यदि किसी व्यक्ति का चयन किसी यात्रा के लिये हो जाता है और यदि उसके पश्चात् आयोजित होने वाली यात्रा की चयन सूची में भी उसका नाम है तब बाद वाली चयन सूची से उसका नाम हटा दिया जायेगा। जिला कलेक्टर पूर्वानुसार योजना का प्रचार-प्रसार स्थानीय अखबारों में विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करेंगे। उक्त आवेदन निकटतम तहसील, स्थानीय निकाय, जनपद कार्यालय अथवा कलेक्टर द्वारा निर्धारित अन्य विज्ञप्ति स्थानों पर जमा किये जा सकेंगे।

जिस जिले से ट्रेन आरंभ होगी उस जिले से संबंधित जिले के कलेक्टर ट्रेन में तीर्थ यारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु एक शासकीय डॉक्टर की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करेंगे। ड्यूटी डॉक्टर चाहे तो अपनी पत्नी अथवा चिकित्सा सहायक को भी मात्रा में साथ ले जा सकते हैं। डॉक्टर एवं उनकी पत्नी चिकित्सा सहायक आवंटित कोटे में सम्मिलित माने जायेंगे। डॉक्टर का मोबाईल नम्बर आईआरसीटीसी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। डॉक्टर को नियमानुसार आईआरसीटीसी से मानदेय प्रदाय किया जायेगा। यदि जिले को आवंटित निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होते है। ऐसी स्थिति में यात्रियों का चयन कम्प्युटराईज्ड लॉटरी से किया जाये। निर्धारित कोटे से 10 प्रतिशत अतिरिक्त तीर्थ यात्रियों की पृथक से प्रतीक्षा सूची तैयार करेंगे। किसी कारण से कतिपय तीर्थ यात्रा यात्रा में जाने में असमर्थ रहते है, तो ऐसी स्थिति में प्रतीक्षा सूची के अनुक्रम अनुसार तीर्थ यात्रियों को यात्रा पर भेजे जा सकते हैं। इसी प्रकार किसी जिले को आवंटित यात्रियों का कोटा पूर्ण नहीं होने पर उसे अन्य जिले की प्रतीक्षा सूची प्राप्त आवेदनों से पूर्ति की जा सकेगी।

कलेक्टर्स एवं प्रबंधक, आईआरसीटीसी को निम्नलिखित निर्देश जारी किये जा रहे हैं इनका पालन करना सुनिश्चित करें- मुख्यमंत्री

तीर्थ दर्शन योजना में किसी भी स्थिति में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति ट्रेन में प्रवेश नहीं करें। यात्रा के दौरान जांच में अनाधिकृत व्यक्ति पाये जाने पर उसे उसी स्टेशन पर उतारा जा सकता है। अनाधिकृत व्यक्तियों के यात्रा करने पर उस व्यक्ति से, उससे संबंधित जिले के अनुरक्षकों एवं जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से व्यय राशि वसूल की जावेगी। समस्त कलेक्टर्स मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना यात्रा का पर्याप्त प्रचार-प्रसार करें किसी भी स्थिति में निर्धारित कोटे से कम तीर्थ यात्री नहीं होना चाहिये एवं जिले के समस्त विकासखण्डो एवं नगरीय निकाय से आवेदन पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाये। तीर्थ यात्रियों की निर्धारित पात्रता का परीक्षण किया जाये एवं सूची निर्धारित समयावधि में संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना एवं प्रबंधक, आईआरसीटीसी को उपलब्ध कराई जाये ताकि तीर्थ यात्रियों के टिकिट बनवाने में असुविधा न हो। प्रबंधक आईआरसीटीसी यह सुनिश्चित करें कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की ट्रेन निर्धारित तिथि व समय पर संबंधित जिले में पहुँच सके ताकि तीर्थ यात्रियों को परेशानी न हो। ट्रेन के समय में अनावश्यक विलंब न हो। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत संबंधित तीर्थ यात्रियों को उत्तम गुणवत्ता का भोजन, नाश्ता एवं शुद्ध पेयजल (कम से कम 2 मिनरल वाटर की बोतले प्रतिदिन) दी जायें। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जाने वाले अनुरक्षक ट्रेन के प्रस्थान होने के उपरांत प्रति चार घंटे बाद तीर्थ यात्रियों की कुशलता के संबंध में संबंधित जिले के कलेक्टर एवं जिले के नोडल अधिकारी, कार्यालय संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को अवगत कराएंगे। यह भी सुनिश्चित करेंगे कि तीर्थ यात्रियों को निर्धारित समय पर नाश्ता, भोजन एवं पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था हो। जिले से एक पर्यवेक्षक (एक अनुरक्षक के स्थान पर) जो पद में तहसीलदार अथवा उसके समकक्ष हो, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा में तीर्थ यात्रियों के साथ ट्रेन में यात्रा करेगा एवं आईआरसीटीसी द्वारा की गयी समस्त व्यवस्थाएं (भोजन, नाश्ता, पेयजल, शौचालय की स्थिति, तीर्थ स्थल पर रुकने की व्यवस्था) के संबंध में प्रतिवेदन कलेक्टर के माध्यम से राज्य शासन को प्रेषित करेगा। संबंधित कलेक्टर तीर्थ यात्रियों की सूची संचालक, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना ई-मेल dndvmp@gmail-com पर एवं अपर महाप्रबंधक (पर्यटन) आईआरसीटीसी क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल ई-मेल irctc.bpl@gmail.com पर भी उपलब्ध कराएंगे। तीर्थ यात्रियों की एक सूची संबंधित संभागायुक्त को उपलब्ध करायेंगे। कलेक्टर चयनित तीर्थ यात्रियों को ट्रेन प्रस्थान की तिथि, समय एवं स्थान से अवगत करायेंगे आईआरसीटीसी् तीर्थ यात्रियों की यात्राकार अभिप्रमाणित सूची विभाग को उपलब्ध करायेगा। ट्रेनों में कोविड प्रोटोकॉल के तहत पूर्ण वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र की अनिवार्यता के साथ मास्क का उपयोग एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य रूप से कराया जाये।

अधिक जानकारी के लिये संचालनालय धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व कार्यालय के दूरभाष नं. 0755- 2767116 तथा ई-मेल dndvmp@gmail-com] dharmasva-mantralaya@gmail-com पर संपर्क कर सकते है, साथ ही धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग की वेबसाईट www.dharmasva.mp.gov.in से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से संबंधित आदेश, नियम, परिपत्र तथा आवेदन पत्र डाउनलोड किये जा सकते है। आईआरसीटीसी के महत्वपूर्ण दूरभाष नम्बर 0755- 4057982, विनय कुमार, वरिष्ठ पर्यवेक्षक, मोबाइल नम्बर 8287931656 एवं कृष्ण कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक का मोबाइल नम्बर. 8217931607 जिन जिलो/जिला मुख्यालयों में स्टेशन स्टॉपेज नहीं है उन जिलों की बोर्डिंग निम्नानुसार रहेगी, संबंधित जिला कलेक्टर तीर्थ यात्रियों को बोर्डिंग स्टेशन तक लाने एवं वापस ले जाने की व्यवस्था करेंगे।

लक्ष्मण के बाद अब भानु की भी मट्टी पलित करेगा जिला महामंत्री गंगाखेड़ी

लगातार विवादों में रहने वाला समय देख कर बदल लेता है भाजपा में अपना आका, तलवे चाट कर बन रहा नेता

अब भाजपा जिला मंत्री ने जिला महामंत्री पर लगाया जान से मारने की धमकी का आरोप

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

होली पर्व और भगोरिया का समय है, सब अपनी-अपनी मस्ती में मस्त है। राजनीति दल भी विधानसभा चुनाव को देखते अपनी-अपनी ताकत झोंक रहे है। लेकिन राजनीति में लगातार भाजपा की जड़े क्षेत्र में कमजोर कर रहे भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णपालसिंह गंगाखेड़ी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। खेल सामग्री घोटाले सहित कई मामलों में पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक की मट्टी पलित कर चुके गंगाखेड़ी के निशाने पर नए जिला अध्यक्ष भानु भूरिया है, जिनका कार्यकाल बिगाड़ने के चक्कर मे है, आये दिन नए-नए विवादों को लेकर बखेड़ा खड़ा करने वाले महामंत्री गंगाखेड़ी ने अब अपनी ही पार्टी और जिला कार्यकरणी के साथी जिला मंत्री दुर्गादास मोटापाला को जान से मारने तक की धमकी दे डाली, मामला थाना पेटलावद तक पहुच गया।

भगोरिया के बाद हुआ विवाद, हाथापाई तक की आ गई नोबत

सोमवार को पेटलावद का भगोरिया हाट था। जिंसमे भाजपा के नेताओ द्वारा गैर का आयोजन बामनिया रोड स्थित सुंदर गार्डन में रखा था। यहां गैर का कार्यक्रम निपटाने के बाद कार्यक्रम समापन की ओर था कि, जिला मंत्री और महामंत्री के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई, देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि, दोनों ओर से गाली-गलौच ओर हाथापाई की नोबत आ गई। जिसे वहां खड़े भाजपा कार्यकर्ताओ ने जैसे-तैसे मामला शांत किया, लेकिन महामंत्री को जिला मंत्री के सवाल पूछना हजम नही हुआ और जिला मंत्री को कह डाला कि, तेरे जैसे कइयो को निपटा चुका हूं तुझे भी निपटा दूँगा। जो सीधे-सीधे जान से मारने की धमकी थी। जिला मंत्री दुर्गादास मोटापाला ने मामले की लिखित शिकायत पेटलावद थाने में दर्ज करवाई है ।

समय देख कर बदल लेता है पाला, तलवे चाट कर बन रहा नेता

ज़िला महामंत्री कृष्णपाल भाजपा की और से लगातार विवादों में रहे है। वसुली, सामग्री सप्लाई, अपने ही नेताओ की काट करने में इनका नाम चर्चा में रहता है। महामंत्री इतना शातिर है कि, समय देखकर पाला बदलने में देर नही करता। कभी जिलाध्यक्ष तो कभी सांसद के आगे पीछे घूमने वाला 2023 का विधानसभा चुनाव को देखते हुए लगातार पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया के आगे-पीछे सक्रिय हो कर घूमने लग गया। तलवे चाटने की महारथ ऐसी की जिस सांसद ने महामंत्री को खास मानकर सैकड़ो बुराई अपने माथे ली पूरी विकास यात्रा में मंच पर खुद को निर्मला हितेषी दिखाने के लिए एक बार भी सांसद का नाम अपने भाषणों में नही लिया, न ही उनके द्वारा किये कार्यो को जनता के सामने रखा।

काकनवानी मण्डल का प्रभारी बना रखा है पार्टी ने, लेकिन जाने को तैयार नही

भाजपा जिला अध्यक्ष के बदलने के बाद नए जिलाध्यक्ष ने संगठन की सरंचना में परिवर्तन करते हुए सभी पदाधिकारियों के नए सिरे से मंडलों के प्रभार दिए। जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह को काकनवानी मण्डल का प्रभारी बनाया गया। लेकिन न तो विकास यात्रा में ओर न ही भगोरिया में जिला महामंत्री अपने प्रभार वाले मण्डल में नजर आये और खुद के गृह क्षेत्र पेटलावद में ही विकास यात्रा और भगोरिया में सक्रिय रहे ताकि क्षेत्र में उनके स्थान पर अन्य नेता पैर न जमा ले।

जिस मोटापाला ने कराई थी राजनीति में वापसी, उसके ही पुत्र को दी जान से मारने की धमकी

एक समय सक्रिय राजनीति से दूर हुए कृष्णपाल ठेकेदारी के क्षेत्र में चले गए, जहा से वापसी करने के बाद राजनीति में फिर से अपनी जगह बनाने के लिए उस दौर के बड़े नेता सुरेंद्र सिंह मोटापाला का दामन थामा ओर उन्होंने कृष्णपाल की वापसी राजनीति में करवाई। पेटलावद ग्रामीण का मण्डल अध्यक्ष बनवाया, बताया जाता है गुमानसिंह डामोर से मुलाकात भी मोटापाला ने ही करवाई थी। अब जिला महामंत्री बने कृष्णपाल उसी वरिष्ठ नेता के पुत्र को जान से मारने की धमकी दे रहा है जिन्होंने राजनीति में वापसी करवाई थी।

नए जिलाध्यक्ष भी लूप लाइन में, पुरानी टीम के साथ ही काम करने पर मजबूर

विवादों में घिरे भाजपा के जिलाध्यक्ष नायक को हटाने के बाद भानु भूरिया को नया जिलाध्यक्ष बनाया गया। लेकिन उनकी ताजपोशी के साथ उनको ऊपर से काम करने के लिए पुरानी टीम ही दे दी। जो खुद नए जिलाध्यक्ष के लिए परेशानी का सबब बन चुका है। राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार भानु अपनी टीम में परिवर्तन चाहते हैं जिंसमे दो महामंत्री सहित 5 से 6 पदाधिकारी अपने हिसाब से बनाना चाहते हैं। लेकिन संगठन ने फिलहाल इस निर्णय को होल्ड कर दिया है। वही दूसरी ओर कुछ नेता लगातार भानु को डेमेज करने के लिए संगठन की गाइड लाइन से बहार जाकर मनमानी कर रहे हैं, जिसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ रहा है। जो भी हो राजनीति आपसी फूट संगठन से निकल कर थाने तक पहुँच गई है, ये देखना दिलचस्प होगा की संगठन क्या निर्णय लेगा ओर कब तक विवादित महामंत्री को झेलेगा।

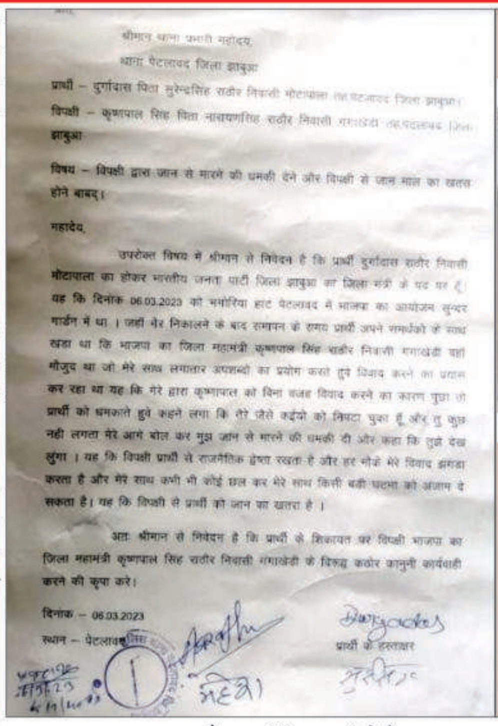
श्रीमान थाना प्रभारी महोदय
थाना पेटलावद जिला झाबुआ
प्रार्थी – दुर्गादास पिता सुरेन्द्रसिंह राठौर निवासी मोटापाला तह.पेटलावद जिला झाबुआ
विपक्षी – कृष्णपाल सिंह पिता नारायणसिंह राठौर निवासी गंगाखेड़ी तह.पेटलावद जिला झाबुआ
विषय – विपक्षी द्वारा जान से मारने की धमकी देने और विपक्षी से जान माल का खतरा होने बाबद।
महादेय,
उपरोक्त विषय में श्रीमान से निवेदन है कि प्रार्थी दुर्गादास राठौर निवासी मोटापाला का होकर भारतीय जनता पार्टी जिला झाबुआ का जिला मंत्री के पद पर हूं। यह कि दिनांक 06.03.2023 को भगोरिया हाट पेटलावद में भाजपा का आयोजन सुन्दर गार्डन में था। जहाँ गैर निकालने के बाद समापन के समय प्रार्थी अपने समर्थकों के साथ खड़ा था कि भाजपा का जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह राठौर निवासी गंगाखेड़ी वहाँ मौजुद था जो मेरे साथ लगातार अपशब्दों का प्रयोग करते हुवे विवाद करने का प्रयास कर रहा था यह कि मेरे द्वारा कृष्णपाल को बिना वजह विवाद करने का कारण पुछा तो प्रार्थी को धमकाते हुवे कहने लगा कि तेरे जैसे कईयो को निपटा चुका हूँ और तु कुछ नही लगता मेरे आगे बोल कर मुझे जान से मारने की धमकी दी और कहा कि तुझे देख लुंगा। यह कि विपक्षी प्रार्थी से राजनैतिक द्वेषता रखता है और हर मौके मेरे विवाद झगड़ा करता है और मेरे साथ कभी भी कोई छल कर मेरे साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। यह कि विपक्षी से प्रार्थी को जान का खतरा है।
अतः श्रीमान से निवेदन है कि प्रार्थी के शिकायत पर विपक्षी भाजपा का जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह राठौर निवासी गंगाखेड़ी के विरुद्ध कठोर कानुनी कार्यवाही करने की कृपा करे।
दिनांक – 06.03.2023
स्थान – पेटलावद
प्रार्थी के हस्ताक्षर

भगोरिया पर्व में भाजपा जिला महामंत्री और जिला मंत्री के बिच तू, तू.... मैं, मैं गार्डन से शुरू हुआ फिर रोड़ और रोड़ से थाने पहुंचा मामला

दोनो ही पदाधिकारियों के बीच चल रहा मनमुटाव अब सार्वजनिक हो चूका है और बात इतनी बड़ी की दुर्गादास मोटापाला जिला मंत्री भाजपा ने जिला महामंत्री पर जान से मारने व देख लेने के आरोप लगाते हुवे शिकायती आवेदन पेटलावद पुलिस थाना पेटलावद को देकर एफ आई आर दर्ज करने की मांग की हैं।

खबर का असर...

लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर पंचायत सचिव को किया निलम्बित

सोसायटी स्वीकृत करने के लिये ली थी राशि, गूंज ने प्रमुखता से किया था खुलासा

माही की गूंज, पेटलावद।

पिछले अंक में लगी खबर के बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अमन वैष्णव के आदेशानुसार दयाराम गवली, पंचायत सचिव ग्राम पंचायत काजबी जनपद पंचायत पेटलावद के विरूद्ध जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत के आधार पर अपने कर्तव्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के फलस्वरूप म.प्र. पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती और सेवा शर्तो) नियम 2011 की कण्डिका (7) के प्रावधान के तहत तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। सचिव दयाराम गवली का मुख्यालय जनपद पंचायत पेटलावद किया गया है और उन के विरुद्ध विभागीय जाँच संस्थित करते हुए नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की स्वीकृति दी जाती है।

समहू को अनाज वितरण की सोसायटी दिलवाने के नाम पर सचिव ने लिए दस हजार, कैमरे में हुआ कैद
पंचायत में ही मिलीभगत कर शुरू कर दी सोसायटी, एसडीएम को आवेदन देकर कार्यवाही की मांग

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मेघनगर में 3 लाख 41 हजार की कोकोनट पाक जप्त

मिलावट पदार्थ का व्यवसाय करने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करे- कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिये है कि, जिले में मिलावट पदार्थ का व्यवसाय करने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करे। इस संबंध में आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी आदेश में जिले में दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थो का निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण करने वाले कारोबारियों के निरंतर निरीक्षण एवं मिलावटी/नकली दूध एवं दूध उत्पादों के पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही कर मिलावट से मुक्ति अभियान जारी रखने के निर्देश दिये गए है। धार जिले से चिलिंग प्लांट को जा रहे दूध की जाँच-खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सुबह इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर वाहन से लगभग 2700 लीटर दुध ले जा रहे, वाहन को देवझीरी में जाँच के लिए रोक कर, मैजिक बॉक्स की सहायता से मौके पर ही दूध में नमक, शक्कर, यूरिया और सोयाबीन तेल की जाँच की गई। जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दूध के 2 नमूने जाँच हेतु लिए गए है। छिंदवाड़ा से थान्दला बिकने आई 3 लाख 41 हजार 8 सौ रुपये मूल्य की कोकोनट पाक देवझीरी में कार्यवाही कर विभाग द्वारा थान्दला रोड मेघनगर में बोलेरो वाहन को जाँच हेतु रोका गया। जिसके भीतर कोकोनट पाक के प्लास्टिक डिब्बे रखे बॉक्स में रखे हुए थे। जिनकी जाँच करने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा इन पैकेट में नियम उल्लंघन पाए जाने पर कार्यवाही कर 2 नमूने जाँच में लेकर शेष मात्रा को जब्त कर इंडस्ट्रियल एरिया में सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। जिसका पैकेट मूल्य 3 लाख 41 हजार 8 सौ रूपये वाहन पर उपस्थित मैनेजर द्वारा बताया गया है। उक्त मिठाई थान्दला विक्रय हेतु ले जाना बताया गया, लेकिन विक्रय से पूर्व ही विभाग द्वारा कार्यवाही कर सारे पैकेट जब्ती में रखे गए है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा द्वारा बताया गया कि, विभाग द्वारा शासन के निर्देशों के पालन में लगातार कार्यवाही जारी रहेगी। जाँच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा एवं श्रम सहायक संजय पांचाल उपस्थित रहे।

राजनीतिक हलचल

निर्मला भूरिया के आसपास घूम रहा भाजपा का सर्वे, विधानसभा 2023 मे भाजपा के पास बड़ा दावेदार नही

नए चहरे की मांग ने बढ़ाई निर्मला की चिंता, कार्यकर्ता की पूछ परख नहीं होने से उठाना पड़ सकता है बड़ा नुकसान

माही की गूंज, पेटलावद।

विधानसभा 2023 की तैयारियों को लेकर भाजपा और कांग्रेस में लगातार उठापटक देखी जा रही है। जयस जैसे संगठन ने दोनों मुख्य दलों की चिंता बड़ा रखी है, जिस और जयस का झुकाव होगा उसका पलड़ा भारी रहेगा, ये तय है और जयस अगर मैदान में स्वयं के बूते उतरा तो चुनावी नतीजों पर प्रभाव पड़ेगा। लेकिन किसको फायदा होगा किसको नुकसान ये मैदान में उतरने वाले चहरे तय करेंगे। बात करे भाजपा की तो युवा और नए चेहरे की तलाश के बीच भाजपा का पूरा सर्वे पूर्व मंत्री निर्मला भूरिया के इर्दगिर्द घूम रहा है। विधानसभा चुनाव 2018 में एडी चोटी का जोर लगाकर गुमानसिंह डामोर की चुनोती से पार पाते हुए टिकिट हासिल किया था, लेकिन पाच हजार के लगभग अंतराल से भाजपा और निर्मला को हार का मुह देखना पड़ा था। वर्ष 2023 के अंत मे होने वाले विधानसभा चुनावों में माहौल और मांग दोनों बदल चुकी हैं। इस बार निर्मला भूरिया को 2018 की तरह गुमानसिंह डामोर से सीधी चुनौती फिलहाल तो नही मिल रही, लेकिन सांसद की सक्रियता और मंशा पेटलावद विधानसभा पर निशाना होना प्रर्दशित कर रहा है कि, पेटलावद विधानसभा की टिकिट में उनका पूरा हस्तक्षेप हो।

अभी निर्मला ही विकल्प, रामा क्षेत्र से कोई नया चेहरा नही

2023 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के पास निर्मला भूरिया सबसे मजबूत विकल्प है, क्योंकि भाजपा के पास कोई दूसरा ताकतवर चेहरा नही है। पेटलावद विधानसभा दो भागों में बटा हुआ है, पेटलावद और रामा विकास खण्ड आते हैं। भाजपा और कांग्रेस की ओर से मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी रामा क्षेत्र से ही तय होते हैं, कांग्रेस की और से इस बार भी मैदान में प्रत्याशी रामा क्षेत्र से होगा ये तय है। भाजपा के पास रामा क्षेत्र से कोई बड़ा नेता या चेहरा निर्मला भूरिया के अलावा नही है। पेटलावद विकास खण्ड से लगातार प्रत्याशी की मांग उठती रही हैं, लेकिन न तो कांग्रेस और न ही भाजपा ने इस क्षेत्र को मौका दिया है। निर्मला भूरिया कुछ समय से लगातार सक्रिय रही हैं और विकास यात्रा के दौरान पिता दिलीपसिंह भूरिया के कार्यो का बखान करते नजर आई।

युवा और नए चेहरे की मांग से परेशान

जयस की एंट्री के बाद से विधानसभा में युवा और नए चेहरों की माँग बढ़ चुकी हैं। भाजपा खुद गुजरात विधानसभा चुनाव में इस पैटर्न पर बड़ी जीत हासिल करने में सफल रही है। बताया जा रहा है भाजपा भी ऐसे नए चेहरे की तलाश में है जो भाजपा के साथ-साथ जयस जैसे संगठन को भी साध ले। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 11 से जिला पंचायत सदस्य रह चुके ओर वर्तमान में पत्नी को जिला पंचायत सदस्य बनावा चुके भाजपा अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजमेर सिंह भूरिया, निर्मला के बाद सबसे बड़े दावेदार है। अजमेर सिंह भूरिया के पिता वीरसिंह भूरिया इस क्षेत्र से अंतिम बार विधायक रहने वाले नेता है, इसके बाद लगातार पेटलावद विधानसभा को रामा क्षेत्र से विधायक मिलते रहे हैं। गतवर्ष सम्प्पन जिला पंचायत चुनाव में अजमेर सिंह भूरिया की पत्नी को पूरे जिले की सबसे बड़ी जीत लगभग 12 हजार मतों से जीत मिली थी। जबकि पेटलावद विधानसभा चुनाव के पिछले चार चुनाव के नतीजे का फैसला भी इतने मतों के अंतराल से नही हुआ है। जिस क्षेत्र से अजमेर भूरिया को जीत मिली उस क्षेत्र में कांग्रेस का हमेशा दबदबा रहा है ऐसे में अजमेर सिंह भूरिया को भाजपा विकल्प के रूप में देखती हैं। जयस जैसे संगठन का एक धड़ा भी अजमेर के नाम पर अपना समर्थन भाजपा की और दे सकता है। अजमेर की बढ़ती चर्चा ने निर्मला भूरिया की चिंता बड़ा रखी है।

निर्मला भूरिया।

अजमेर सिंह भूरिया।

निर्मला भूरिया से कार्यकर्ता नाराज

कहने को तो निर्मला भूरिया बड़ी नेता है, लेकिन उनकी सक्रियता गिने चुने बिना जिनाधार वाले नेताओं के आसपास रहती है। कार्यकर्ताओ से दूरी रखने वाली निर्मला से बड़ा राजनीतिक धड़ा नाराज़ है। समय पर पूछ परख नही होना और भाजपा के लोगो के काम नही होने के कारण इनकीं प्रतिष्ठा में कमी आई है। वही विधायक बनने के वर्षो से सपने देख रहे कई कार्यकर्ता मानते हैं कि, अगर निर्मला भूरिया को टिकिट मिली और वो जीती तो उनकी राजनीति दस साल पीछे चली जायेगी। निर्मला के नाम पर चुनाव मैदान में उतरना खुद भाजपा को भारी पड़ेगा क्योंकि भाजपा का युवा इस बार युवा और नए कार्यकर्ता के लिए टिकिट की मांग कर रहा है। इस बार निर्मला के पास संघ सहित कई सक्रिय आदिवासी संगठनों का पूरा समर्थन नही है।

किसानों के मुंह तक पहुंचा निवाला गिरा, आंधी और मावठे से किसानों को भारी नुकसान

अभी भी आंधी ओर मावठे की संभावना बरकरार, किसानों ने की मुआवजे की मांग

माही की गूंज, पेटलावद।

विगत दो से तीन दिनों में क्षेत्र हुई बारिश से क्षेत्र के किसानों को भारी नुकसान की संभावना है। गेंहू की फसल लगभग पककर तैयार हो चुकी हैं। तो कई किसानों की फसल पकने को है, लेकिन किसानों के मुह तक आया निवाला अब छिनने की कगार पर है। पूरे मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में हुई मावठे की बारिश और आंधी तूफान ने किसानों की गेहूं की फसल बिगाड़ दी। जिससे पेटलावद विकास खण्ड भी अछूता नही रहा। यहां सबसे अधिक नुकसान करवड़ क्षेत्र के किसानों को हुआ है। कई किसानों की खेत मे खड़ी फसल तेज़ हवाओ से आड़ी हो गई तो बारिश के कारण सूखे और कटे हुए गेंहू गीले हो गये। दो दिन पूर्व हुई बारिश के बाद बुधवार को फिर से तेज़ हवा और बारिश बामनिया, पेटलावद, करवड़ क्षेत्र में हुई जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। कृषक सचिन गामड़ ने बताया कि, करवड़ क्षेत्र के किसानों को अत्यधिक नुकसान हुआ है, क्योंकि कई किसानों की फसल तेज़ हवा से खराब हो गई और यहाँ बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई थी, जिससे खड़ी फसल को भी नुकसान हुआ है। किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष महेंद्र हामड़ ने क्षेत्र में किसानों की फसल की नुकसानी का सर्वे कर उचित मुआवजे की मांग सरकार से की है।

अभी और भी हो सकती है बारिश

विकास खंण्ड के कई इलाकों में बारिश हुई है, लेकिन तेज़ हवा से लगभग पूरे क्षेत्र में नुकसान हुआ है। जहां कुछ दिन पूर्व मौसम गर्मी का लग रहा था, अब मौसम ठंडा होने के साथ-साथ आसमान में लगातार काले बादल छाए हुए है जिससे आने वाले दिनों में बारिश की संभावना व्यक्त की जा रही हैं।

फसल काटने में जुटे किसान

जिन किसानों की फसल सुख चुकी हैं वो मौसम को देखते हुए अपनी फसल को जल्द से जल्द समेटना चाहते हैं। जिसके लिए किसान दुगनी मजदूरी पर फसल कटवा रहे हैं। हर बार गेंहू की फसल को मावठे ओर तूफान से नुकसान होता आया है, लेकिन इस वर्ष किसानों की फसल लगभग पकने के ठीक पहले हुई बारिश ने कई किसानों का ज्यादा नुकसान कर दिया है ।

संपादकीय

होली के हमजोली

भारत पर्व-त्योहारों का देश है। राज्यों की विविध संस्कृति व भौगोलिकता की छाप भी त्योहारों पर नजर आती है। कुछ नाम बदल जाते हैं मगर मर्म वही है। सामूहिकता के अहसासों को उत्सव के जरिये सींचना। सही मायनों में कोई भी त्योहार हो वह दैनिक जीवन की एकरसता को तोड़ने के लिये ही होता है। एक नई ताजगी व ऊर्जा का संचार करना ही मकसद होता है। खासकर जब बात होली की होती तो उल्लास के

अतिरेक का अहसास खुद-ब-खुद हो जाता है। एक ऐसा त्योहार जो हर किसी को अपने गढ़े कृत्रिम दायरे से बाहर निकलने को प्रेरित करता है। जिसमें व्यक्ति खुद को वास्तविक रूप में महसूस कर सके। उसे बोध हो सके कि मनुष्य और मनुष्यता के क्या मायने हैं। आज शहरीकरण के दौर में भागम-भाग की जिंदगी में हमने इतनी कृत्रिमताएं ओढ़ ली हैं कि हम सहज रह ही न पाते। संपत्ति, पद और रसूख जैसे न जाने कितने दंभ पाले व्यक्ति समाज में घुलमिल ही नहीं पाता। कोरोना संकट में लंबे समय घरों में सिमट जाने ने हमें अहसास कराया कि सामाजिकता के क्या मायने हैं। ऐसे वातावरण में होली का त्योहार व्यक्ति को तनाव व कई तरह की जटिलताओं से मुक्त कर देता है। एक दिन व्यक्ति अपने मूल रंग को भूलकर सतरंगी रंगों में सराबोर हो जाता है। पद,जाति, धर्म और क्षेत्र की बाध्यताओं से मुक्त होकर हर छोटे-बड़े से मिलना, रंग लगाना और गले मिलना व्यक्ति को सहज व हल्का कर देता है। तमाम वैज्ञानिक अनुसंधान व चिकित्सक बार-बार चेता रहे हैं कि मन का गुबार निकालने से व्यक्ति स्वस्थ महसूस करता है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में कई ऐसे शोधकर्ताओं को मानव सेहत के लिये जरूरी व्यवहार की व्याख्या करने हेतु उन विषयों पर नोबेल पुरस्कार मिले हैं जो हमारे देश में योग में वर्णित हैं। यह विडंबना है कि किसी सर्वमान्य तथ्य को हम तब स्वीकारते हैं जब उस पर पश्चिम की मोहर लग जाये।

होली का त्योहार ऐसी मौसम संधि पर आता है जब सर्दी की विदाई और गर्मी की दस्तक होती है। प्रकृति अपने उभार पर होती है। कुदरती रंगों से सजे फूल हमें मंत्रमुग्ध कर रहे होते हैं। यह पर्व हमें प्रकृति से संवाद का अवसर भी देता है। सदियों से हमारे यहां टेसू और अन्य प्राकृतिक पदार्थों से होली खेलने की परंपरा भी रही है। दरअसल, रंग परिवर्तन हमारे व्यवहार को परिवर्तित करता है। रंगों का पूरा विज्ञान है कि किस रंग से मनुष्य व जीव कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। होली के रंगों का अपना नशा होता है। व्यक्ति जब अपने स्वाभाविक रंग से हटकर होली के रंगों में रंगता है तो सहज व उल्लासित महसूस करता है। एक दिन वह जटिल सामाजिक रिश्तों और दफ्तर व कारोबार की चिंताओं से मुक्त होता है। जो लोग तनाव व कुंठाओं से त्रस्त होकर नशे में समाधान ढूंढते हैं, उसके मूल में जीवन की यही जटिलताएं होती हैं। सही मायनों में ऊंच-नीच, वर्ण-भेद, अमीर-गरीब, छोटे-बड़े तथा अफसर-कर्मचारी जैसे भेदों को भूलकर सहजता का व्यवहार करने का अवसर होली हमें उपलब्ध कराती है। आज देश-दुनिया जिन मनोकायिक रोगों की चपेट में है उसका मूल कारण मनुष्य का सहज व्यवहार न करना ही होता है। आज हमारे जीवन के हर क्षेत्र में कृत्रिमता का बोलबाला हो गया है। हम दिखावे के युग में जी रहे हैं। हमने अपनी चादर से पैर बाहर निकाल लिये हैं। ऋण लो घी पियो की संस्कृति को अंगीकार किया है। भोगवादी संस्कृति अंततः जीवन में त्रास को ही बढ़ावा देती है। ऐसे में साल में एक दिन ही सही, जब हम अपने अहं का त्याग करके सहजता का जीवन जीते हैं तो तन-मन को सुकून मिलता है। एक नई ऊर्जा का संचार होता है। चिकित्सा विज्ञानी भी स्वीकार कर रहे हैं कि हमारी तमाम शारीरिक व्याधियों का कारण हमारा उत्तेजित व्यवहार और कृत्रिम जीवन शैली ही है। जो इंसान की मूल प्रवृत्ति के ठीक विपरीत है। समाज में सहजता, सरलता और सादगी का जीवन व्यतीत करने वाले लोग तनाव में जीने वाले लोगों के मुकाबले ज्यादा स्वस्थ व सुखी होते हैं।

रोजगार संभावनाओं में हिंसक प्रवृत्तियों का समाधान

भारतीयता की बात कहते हुए इस देश के नागरिकों के भाल गर्व से ऊंचे हो जाते हैं क्योंकि भारतीयता उस आधार पर खड़ी है जिसे हम नैतिक संस्कृति की अदम्य ज्वाला कहते हैं। जो हमारी पाठशालाओं से लेकर अध्यात्म केन्द्रों और देश के बहुत से नागरिकों के अंतस तक में पैठ जमाकर बैठी है। यह वह अनोखी नैतिक संस्कृति है जिसने पंजाब में ऋग्वेद को जन्म दिया। कुरुक्षेत्र से भगवान कृष्ण का गीता का वह उपदेश हुआ जो आज भी भ्रम में पड़े लोगों को रास्ता दिखाने में चूकता नहीं। पिछला वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर अमृत महोत्सव मनाने का था इसलिए देश के कोने-कोने से राष्ट्रीय ध्वज को फहराते हुए 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' का स्वर उठता रहा। वंदे मातरम? की ध्वनि पंजाब में फिर से गूंजी। वहां शहीद-ए-आजम भगत सिंह का स्मरण भी आम लोगों के मन में नई ऊर्जा पैदा करने लगा। अब खबर है कि उत्तर प्रदेश में शहीद चंद्रशेखर आजाद की 151 फुट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी, जो दुनिया में किसी भी क्रांतिकारी की सबसे ऊंची प्रतिमा होगी। राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत लोग महात्मा गांधी द्वारा बताए गए अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे। भारत सरकार की उस खोज में उनके साथ जुटेंगे जहां अंग्रेजीयत से छुटकारा पाकर इतिहास का पुनर्लेखन हो रहा है। वह इस देश के दबे-कुचले परन्तु वीर लोगों का स्वाधीनता संग्राम को लेकर स्मरण है। जिस संग्राम ने इस देश पर 150 वर्ष शासन करने वाले विशाल अंग्रेजी साम्राज्य से मुक्ति दिलाई। लेकिन अब देश के आजाद हो जाने के बाद इतिहास के रणबांकुरों की खोज-सम्मान, राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा की स्थापना, अध्यात्म और योग को पुनः महत्व देने के बावजूद जो चित्र उभरकर आ रहा है उसमें नयी पीढ़ी राह से भटकी लगती है। नैतिक संस्कृति के पहरुए अर्थ नीति के विघटन के साथ-साथ मौन क्यों हो गये लगते हैं? भौतिकवादी मूल्यों ने कुछ इस प्रकार देश के आम लोगों को घेर लिया कि नैतिकता की बातें करना काल्पनिक सा लगता है। इसकी जगह स्वार्थ साधने की प्रवृत्ति मुखर हो गई है। शार्टकट के रास्ते का बोलबाला है। ऐसा कि अपना काम साधने के लिए अगर हिंसा का सहारा भी लेना पड़े तो कोई हर्ज नहीं।

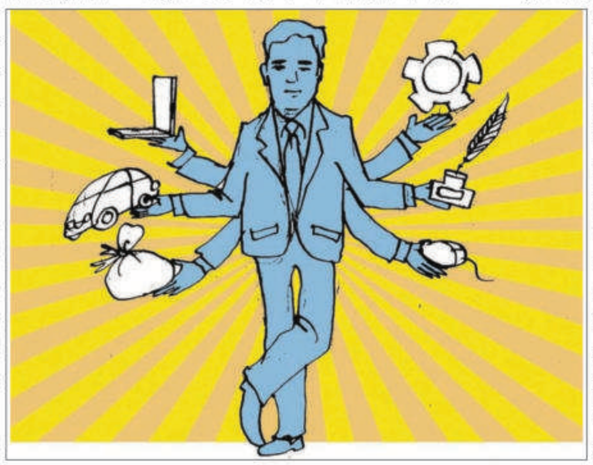

देश में ऐसी बातें उभरकर आ रही हैं कि जो शायद आज से पचास वर्ष पहले सोची भी नहीं जा सकती थीं। देश और विशेष रूप से पंजाब की जेलों को ही लें। इन जेलों का नाम सुधार गृह रखा गया था। समझा गया कि जेल काटने वाले अपराधी नैतिक मूल्यों का पुनः सृजन अपने अंतस में करेंगे और जेल काटने के बाद जिम्मेदार नागरिक बनकर बाहर आएंगे। लेकिन जब बाहर भी भौतिकवादी मूल्यों का बोलबाला हो, जब माफिया तंत्र ही एकमात्र सत्य लगे ,जब जेल की दीवारों में कैद गैंगस्टरों के 'लिंक' विदेशों तक जुड़ जाएं और ये लोग मिल-जुलकर एक ऐसी बंदूक संस्कृति को जन्म दे दें जिसमें से फिरौतियों और धमकियों, गोलीबारी और लूटमार का माहौल बाहर आता नजर आए।

सरकार किंकर्त्तव्यविमूढ़ नजर आए और नये भौतिकवादी मूल्यों के प्रसार से आम जनता त्रस्त और आक्रांत हो तो ऐसे समाज के चेहरे को फिर से स्वच्छ घोषित करना बड़ी चुनौती है। जो कुछ तरनतारन की जेल में हुआ, वह उन सभी घोषणाओं के विपरीत था जिसमें यह कहा गया था कि अब जेलों में कैद अपराधी तत्वों को उनकी जगह बता दी जाएगी। उन्हें जेल के अधिकारियों के साथ मिलकर नशे का अवैध व्यापार नहीं करने दिया जाएगा, उनके पास चोरी से पहुंचे मोबाइलों को जैमर लगा दिये जाएंगे। बाहर के अपराधी गठजोड़ करके सार्वजनिक जीवन व जेलों के इस माहौल को भी हिंसा की रणस्थली नहीं बनाएंगे। लेकिन बीते रविवार को केन्द्रीय जेल गोइंदवाल साहिब में गैंगवॉर हो गई। एक गुट ने दूसरे गुट के दो सदस्यों की हत्या कर दी। तीन अन्य घायल हो गए। मरने वाले दोनों एक कुख्यात गैंग के सदस्य थे। इस माहौल के हालात देखिये कि कनाडा में बसे एक गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर इस भिड़ंत की जिम्मेदारी ले ली। यह सारा घटनाक्रम लोगों को भयभीत कर देता है। इन सब गैंगस्टरों की जड़ें सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शामिल गैंगस्टरों तक जाती हैं जो इस समय आपस में दो गुटों में बंट चुके हैं।

इस मामले में हालांकि जेल सुपरिंटेंडेंट ने कह दिया है कि वह छुट्टी पर था, सूचना मिलते ही जेल पहुंचा, अब मामले की जांच हो रही है। लेकिन जांच-पड़ताल करने और कानून के रखवालों द्वारा आक्रामक रवैया अपनाने की बातें पंजाब की जेलों से लेकर पंजाब के आम लोगों और वहां से चलकर दिल्ली तक फैली हैं। यह निर्मम माहौल है जहां ऐसे हत्याकांड हो रहे हैं जिनकी आदमी कल्पना भी नहीं कर सकता। व्यक्तियों को मारकर अंगों को जंगलों में फेंका जा रहा है । दरअसल, बेकार युवाओं को काम से नहीं बल्कि अनुकम्पा घोषणाओं से बहलाने का प्रयास होता है। इसी कारण वे बेरोजगार होकर नशे और बंदूक माफिया के चंगुल में फंस रहे हैं। अधोपतन इतना कि आज कहीं भी स्थापित नैतिक मूल्य का कोई दम नहीं भरता।

निस्संदेह सांस्कृतिक जीवन में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना एक ऐसा भारतीय राष्ट्रवादी कर्म है जो जल्द से जल्द स्थापित हो जाना चाहिए। अगर हमने इस देश को अपने कर्त्तव्य-पथ पर चलते हुए उसे पुण्य-पथ की संज्ञा देनी है। ऐसी ही संज्ञा देश के रहनुमाओं द्वारा दी जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि देश ने तरक्की करके दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। कभी अपने शासक रहे ग्रेट ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया और अब जल्दी ही तीसरा स्थान ग्रहण कर लेने की विकास संभावनाओं की घोषणा हो रही है। लेकिन ऐसी विकास संभावनाओं में ये खतरनाक प्रवृत्तियां एक ऐसा अनैतिक संकट खड़ा कर रही हैं जिससे पार पाना आसान तो नहीं होगा। इनसे पार पाने के लिए न तो अध्यात्म, न योग, न पुस्तकों का पुनर्लेखन काफी है। जरूरी है तो जो जिस योग्य है उसको उसीके मुताबिक इस देश में काम मिले, रोजी-रोजगार मिले और वह इस स्वाभिमान से भर जाए कि वह अपने बूते अपनी रोटी कमा रहा है। लेकिन ऐसी कोई कार्य योजना फिलहाल नजर नहीं आ रही। केवल कह दिया जाता है कि सरकार और निजी क्षेत्र की क्षमता इस देश के केवल 30 प्रतिशत युवाओं को रोजगार देने की है। 70 प्रतिशत लोग तो रोजगार तलाशने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। लेकिन प्रशिक्षण, प्रोत्साहन के अभाव में स्टार्टअप उद्योगों के आंकड़े देश के भाग्य नियंताओं को चेतावनी देते हैं कि कहीं बात मूल रूप से गलत हो रही है। दरअसल, नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना स्वाभिमान पूर्ण रोजगार की गारंटी से ही हो सकती है।

सुरेश सेठ

मोहन भागवत और राहुल गांधी

देश के अखबारों में छपे दो भाषणों पर आपका ध्यान जाए तो आपको आनंद और दुख एक साथ होंगे। आनंद देनेवाला भाषण तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक के मुखिया मोहन भागवत का है और दूसरा दुखद भाषण राहुल गांधी का है। भागवत ने कहा है कि अंग्रेजों के आने के पहले भारत में 70 प्रतिशत लोग शिक्षित थे जबकि इंगलैंड में उस समय सिर्फ 17 प्रतिशत अंग्रेज शिक्षित थे। अंग्रेजों ने, खासकर लॉर्ड मैकाले ने जो शिक्षा पद्धति भारत में चलाई, उसके कारण भारत में शिक्षितों की संख्या घटती गई। आज भारत के साक्षरों की संख्या सिर्फ 77 प्रतिशत है जबकि चीन, जापान, श्रीलंका, ईरान जैसे देशों में वह संख्या 90 से 99 प्रतिशत है। भारत के ये लोग शिक्षित नहीं माने जा सकते हैं। इन्होंने कोई विशारद या शास्त्री या एम.ए.-बी.ए. पास नहीं किया है। ये केवल साक्षर हैं याने सिर्फ अक्षरों और अंकों को जानते-पहचानते हैं। इतनी बड़ी संख्या भी इन लोगों की पिछले 15-20 साल में बढ़ी है। इसका मूल कारण है, हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली। इसमें आजकल बड़ी ठगी चल रही है। छात्रों की फीस कई कॉलेजों में 50-50 हजार रु. महिना हो गई है, जबकि भारत के गुरूकुलों में कोई फीस नहीं होती थी। सारे ब्रह्मचारियों को भोजन, वस्त्र और निवास की सुविधाएं निःशुल्क होती थी। मैं खुद

चित्तौड़गढ़ के आर्य गुरूकुल में कुछ समय तक पढ़ा हूं। हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली भारत को दो टुकड़ों में बांटने का काम करती है। एक टुकड़ा अंग्रेजीदां लोगों का और दूसरा स्वभाषाओं का! अंग्रेजी टुकड़ा ऊँची जात बन गया है। वही इस गुलामी के ढांचे को जिंदा रखे हुए हैं। वह खुद नकलची है और हर साल वह लाखों नकलचियों को पैदा करता रहता है। इनमें से जो ज़रा ज्यादा उस्ताद हैं, वे अमेरिका और ब्रिटेन में जाकर माल सूंतते हैं। भागवतजी ने चिकित्सा की लूटपाट की तरफ भी हमारा ध्यान आकर्षित किया है। हमारे वैद्य लोग मरीजों से कोई शुल्क नहीं मांगते थे। इसका 60-70 साल पहले मुझे खुद अनुभव रहा है। वैद्यों को मरीज़ लोग या तो दवा का पैसा देते थे या वहां रखे दानपात्र में कुछ राशि डाल देते थे। मोहन भागवत के कथन से सीख लेकर यदि मोदी सरकार हमारी शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में कोई बुनियादी परिवर्तन कर सके तो देश को उसका यह स्थायी योगदान होगा। राहुल गांधी ने लंदन में कहा कि संघ और भाजपा भारत में सांप्रदायिक घृणा फैलाते हैं। क्या राहुल को इस ताजा खबर की भनक लगी है कि

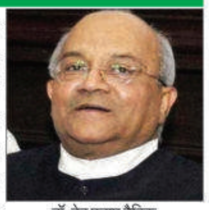

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

शिमला के एक मंदिर में, जिसे विश्व हिंदू परिषद चलाती है, एक मुस्लिम जोड़े का विवाह संपन्न हुआ है। इस विवाह में दूल्हा इंजीनियर और दुल्हन एम.टेक है। एक मौलवी ने कुरान की आयतें पढ़कर यह निकाह करवाया है। राहुल को मोहन भागवत के इस कथन पर भी ध्यान देना चाहिए कि भारत के हिंदू और मुसलमानों का डीएनए एक ही है। हमारा कोई भी नेता इतना पढ़ा-लिखा नहीं है कि उसे केंब्रिज या ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी भाषण देने के लिए बाकायदा बुलाए लेकिन कुछ भारतवंशी कांग्रेसी छात्रों या संगठनों ने आपको बुला लिया तो उस अवसर का आपको सदुपयोग ही करना चाहिए।

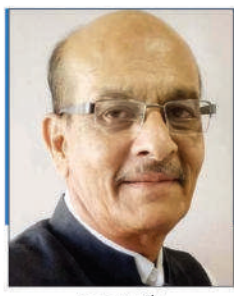

सनत कुमार जैन

73 साल मे नही बना निर्वाचन आयोग कानून

संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद 324 में लिखा था कि संसद ?निर्वाचन आयोग गठन करने कानून बनाएगी। संविधान लागू हुए 73 साल हो गए हैं। 73 साल से सरकार की मनमर्जी से निर्वाचन आयोग काम कर रहा है। देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव हो रहे हैं। समय-समय पर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली निष्पक्षता को लेकर विवाद उत्पन्न होते रहे हैं। उसके बाद भी संसद 73 सालों में कानून बनाने मैं सफल नहीं हो पाई या यों कहें कि सरकार और राजनीतिक दल निर्वाचन आयोग के लिए कानून बनाने पर सहमत नहीं हुए। केंद्र में कई राजनीतिक दलों और गठबंधन की सरकारें आई और गई। 1977, 1989, 1996 से 2004 तथा 2014 से अभी तक केन्द्र में गैर कांग्रेस सरकारें बनी, लेकिन निर्वाचन आयोग से संबंधित कानून संसद में नहीं बन पाया। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में निर्वाचन आयोग का गठन होने तक प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सर्वोच्च न्यायाधीश को मिलाकर एक नई कमेटी बनाई है। जो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगी। उसी के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेंगे। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है। उसके बाद अब संसद की भी प्राथमिकता होगी, कि वह जल्द से जल्द ?निर्वाचन आयोग कानून बनाने के लिए सरकार पर दबाव बनाए।

70 के दशक में सबसे पहले जयप्रकाश नारायण द्वारा चुनाव सुधारों की जरूरत को प्रतिपादित किया था। उनकी मांग पर न्यायमूर्ति बीएम तारकुंडे की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। 1975 में इसकी रिपोर्ट भी आ गई थी। इसके बाद से कई कमेटियां आयोग की कार्यप्रणाली और निष्पक्ष चुनाव को लेकर समय-समय पर बनी। 1990 में दिनेश गोस्वामी कमेटी गठित हुई थी। 1998 में इंद्रजीत गुप्ता कमेटी ने

चुनाव सुधार के लिए बहुत महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे। 1999 में विधि आयोग में 170 पृष्ठ की रिपोर्ट भी जारी की। जिसमें व्यापक स्तर पर चुनाव सुधारों की सिफारिश की गई थी। इन सब के बावजूद सरकार ने निर्वाचन आयोग के नियम कानून और गठन के बारे में कानून बनाने की कोई पहल नहीं की। जिसके कारण पिछले 73 सालों से मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्त सरकार के विवेक से ?नियुक्त होते रहे हैं। वर्तमान में जो कानून प्रच?लित हैं उन्हीं कानूनों के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में टी एन सेशन का कार्यकाल सबसे चर्चित कार्यकाल रहा। शेषन ने पूरी निष्पक्षता के साथ चुनाव कराने के लिए हर संभव प्रयास किए। वह कभी भी केंद्र सरकार और राजनीतिक दलों के दबाव में नहीं आए। जिसके कारण चुनाव आयोग की साख पूरे देश और दुनिया में बनी। उनके जाने के बाद से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से चुनाव आयुक्त की ?नियु?क्ति सरकार मनमाने तरीके से कर रही है। उसके बाद से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर संदेह उत्पन्न होने लगा है।

निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जनप्रतिनिधि कानून की धारा 77 महत्वपूर्ण है। 1975 में सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में उठे विवाद पर महत्वपूर्ण फैसला दिया था। उम्मीदवार के दोस्तों, एजेंटों और राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले खर्च को भी उम्मीदवार के खर्च से जोड़ा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस राय को सरकार ने नहीं माना। सरकार ने एक अध्यादेश जारी करके जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 77 की उप धारा 1 में नई व्याख्या जोड़कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निष्प्रभावी कर दिया था। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए केंद्र सरकार को दिशा निर्देश भी जारी किए हैं। किंतु उनका पालन नहीं हुआ। ?जिससे चुनाव आयोग की साख वर्तमान में सबसे निम्न स्तर पर पहुंच गई है। विशेष रूप से ?पिछले 8 वर्षों में नेता प्र?तिपक्ष को शा?मिल ?किये ?बिना सरकार जिस तरह से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कर रही है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्ति करने के पूर्व निष्पक्ष आयुक्तों के चयन में लापरवाही बरती है। चुनाव आयुक्त पर अब सरकार के इशारे पर निर्णय करने के आरोप लग रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया में भी अब प्रश्न चिन्ह लगने शुरू हो गए हैं। चुनाव सुधार के नाम पर केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रोल बॉन्ड्स के जरिए चुनावी चंदा लेने की जो व्यवस्था बनाई थी। उसमें भी बहुत सारी विकृतियां सामने आई हैं।

इलेक्ट्रोल बांड के सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में भाजपा सामने आई है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। संसद के लिए 73 साल कानून बनाने के लिए कम नहीं थे। जब संसद अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असफल साबित हुई। केंद्रीय चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। इसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में योग्यता और पारदर्शिता नहीं होगी तब संविधान की मूल भावना के अनुसार काम करने के स्थान पर सरकार के ऊपर आश्रित होंगे, तो निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कमेटी बनाकर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने का जो फैसला ?दिया है। अब पाला संसद की कोर्ट में है। संसद जिस दिन निर्वाचन आयोग से संबंधित कानून बना लेगी, उसके बाद चुनाव आयोग की नियुक्ति से लेकर चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी होगी। लोगों का विश्वास भी ?निर्वाचन आयोग पर बढ़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सभी जगह प्रशंसा हो रही है।

तालाब में डूबने से दो नाबालिग सहित चार की मौत, मुख्यमंत्री ने घटना पर जताया दुःख

4-4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की, घटना के बाद क्षेत्र में त्यौहार के दिन पसरा मातम

माही की गूंज, रतलाम।

बुधवार को रतलाम जिले डेलनपुर से दिल दहला देने वाला हादसा हुआ था। हादसे में एक दंपति सहित परिवार के 4 लोगो के तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। घटना के बाद से पूरे त्यौहार के दिन गांव सहित पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है। बच्चे होली खेलते हुए तालाब के पास पहुंचे थे, तभी किसी एक बच्चे का पैर फिसलने से वह तालाब में गिर गया। उसे बचाने में दूसरे भी तालाब में उतरे और डूब गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला कलेक्टर, एसपी सहित प्रशासन और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुँच गए। पुलिस का एसडीआरएफ का दल भी मौके पर पहुचा जिसने तालाब में डूबे लोगो के लिए सर्चिंग शुरू की। जिसके बाद डूबने से विनोद कटारा (23), रूपा कटारा पति विनोद कटारा (22), लखन उर्फ लड्डू देवदा (12), किशोर उर्फ आलू देवदा (11) के शव तालाब से बरामद हुए।

मुख्यमंत्री और विधायक ने की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए ट्वीट किया कि, रतलाम के जामथून में जनजातीय परिवार के चार सदस्यों के तालाब में डूबने की घटना बहुत ही दुखद है। दुःख की इस घड़ी में सरकार साथ खड़ी है। सीएम ने मृतक के परिवार को 4-4 लाख की राहत राशि देने की घोषणा की है।

रतलाम ग्रामीण विधायक मकवाना ने मृतक के परिजनों को हर संभव मदद दिलाने की बात कही। मकवाना द्वारा मृतक के परिजनों से चर्चा कर उन्हें भी सांत्वना दी। विधायक मकवाना ने विधायक निधि से 10-10 हजार की आर्थिक सहायता स्वीकृत की।

आलोट पुलिस को मिली सफलता, ड्राई डे पर पकड़ी अवैध शराब

एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दूसरा आरोपी हो गया फरार

माही की गूंज, रतलाम।

बुधवार को ड्राय डे यानी कि शुष्क दिवस पर अवैध शराब का कारोबार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से डेढ़ लाख रुपए से अधिक की देसी-विदेशी शराब भारी मात्रा में जब्त की है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी भाग गया। रतलाम जिला पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध की जा रही निरंतर कार्यवाही के अंतर्गत एवं त्योहारो के दौरान आपराधिक गतिविधियों पर विशेष निगरानीपूर्वक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील पाटीदार के मार्गदर्शन में एसडीओपी आलोट शाबेरा अंसारी (के निर्देशन में थाना प्रभारी आलोट शिव मंगल सिंह सेंगर द्वारा टीम गठित कर करवाई की।

मुखबिर की सूचना पर दी दबिश

मुखबिर की सूचना पर आलोट थाना क्षेत्र के ग्राम खामरिया में पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर मोकमसिंह के पुराना टीन शेड के बाड़े में पहुंचे। जहां दो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगे। एक आरोपी विनोदसिंह पिता प्रतापसिंह जाति सोंधिया राजपूत (26) निवासी मिण्डली थाना बड़ावदा हाल मुकाम ग्राम खामरिया को पुलिस द्वारा पकड़ा। इनके कब्जे से कुल 66 पेटी देसी व अंग्रेजी अवैध

शराब जब्त की। अवैध शराब कीमती लगभग 1 लाख 65 हजार रुपए है। आरोपी मोकमसिंह पिता सरदारसिंह निवासी खामरिया मौके से भाग निकला। आरोपी ड्राई डे के दिन अवैध शराब सप्लाय करने की फिराक में थे। कार्रवाई उपरांत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय पेश किया जाएगा।

बाइक सवार युवक तीन लाख रुपए की अवैध अफीम की जप्त

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की नारायणगढ़ थाना पुलिस ने बाइक सवार एक युवक के कब्जे से करीब तीन लाख रुपए की अवैध अफीम बरामद की है। नारायणगढ़ थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से थाना क्षेत्र में अवैध अफीम तस्करी की सूचना मिली थी। मुखबिर ने पुलिस को बताया था कि, बाइक सवार एक युवक अवैध अफीम लेकर निकलने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बादरी फंटा बालाजी मंदिर के सामने नाकाबंदी करते हुए मुखबिर के द्वारा बताए गए हुलिए वाले बाइक क्रमांक एमपी 14 एमडब्लू 2133 को रोका। तलाशी के दौरान बाइक चालक के कब्जे से 2 किलो 800 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद हुई। पुलिस की पूछताछ में बाइक सवार ने अपना नाम प्रणाम मंगल सिंह पिता रणसिंह सोंधिया राजपूत (19) बताया। बरामद की गई अफीम की कीमत 2 लाख 80 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड मांगेगी। डिमांड अवधि में आरोपी से अफीम लाने और ले जाने के संबंध में पुलिस जानकारी जुटाएगी।

चारा/भूसा का जिले की सीमा से बाहर निर्यात पर प्रतिबंध

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में वर्तमान में रबी फसल तैयार होने से कटाई का कार्य प्रारंभ हो गया है। फसल कटाई उपरांत प्राप्त चारे- भूसे को पशुधन हेतु उपलब्ध बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर मध्य प्रदेश राज्य के जिलों को छोड़कर अन्य राज्यों के जिलों में निर्यात तथा उद्योगों के बायलरों एवं ईट भट्टों में पशु चारे-भूसे का ईंधन के रूप में उपयोग तथा मंदसौर जिला राजस्थान राज्य का सीमावर्ती जिला होने के कारण जिले की सीमा से बाहर अन्य राज्यों में निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दिलीप कुमार यादव ने जिले में चारा, भूसा की पूर्ति बनाए रखने/कानून एवं व?यवस?था बनाए रखने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। उन्होंने आदेशित किया हैं कि, कोई भी व्यक्ति या संस्थान पशुचारा(आहार) घांस, भूसा, चारा, कड़वी (ज्वार, मक्का के डंठल) आदि मंदसौर जिले से बाहर निर्यात नहीं करेगा। साथ ही उद्योगों एवं फेक्ट्रीयों के बायलरों/ईंट भट्टों आदि में पशुचारे/भूसे का ईंधन के रूप में उपयोग नहीं करेगा। भूसा तथा चारे का युक्ति संगत मूल्य से अधिक मूल्य पर किसी भी व्यक्ति द्वारा क्रय-विक्रय करना एवं चारा, भूसा का कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने के लिए अनावश्यक रूप से संग्रहण करना प्रतिबंधित रहेगा। ईंधन उपयोगी भूसे का स्टाक केवल लायसेन्सधारी उद्योग ही स्टाक कर सकेगा और इसकी सुरक्षा की जवाबदारी उस लायसेन्स धारी की रहेगी एवं प्रतिबंधित अवधि में जिले के बाहर लेकर जाना प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश सर्व-साधारण आम जनता को संबोधित है, और इसकी तामिली प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यकरूपण करना और उसकी सुनवाई संभव नहीं है। अतः दंड संहिता 1973 की धारा 144(2) के तहत यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा-188 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

आठ वर्ष पूर्व हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

माही की गूंज, मंदसौर।

8 वर्ष पहले हुई हत्या का खुलासा मंगलवार को पुलिस ने किया। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने अपनी पत्नी व भतीजी की नहाते हुए वीडियो बनाने से नाराज होकर युवक हत्या की थी। इसके बाद शव बोरे में भरकर तालाब के पास स्थित सरकारी कुएं में फेंक दिया था। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ राजस्थान व मंदसौर में 7 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

टीआई अवनीश श्रीवास्तव ने बताया कि, 7 मई 2015 को मालीपुरा भैंसोदामंडी के तालाब के पास बने सरकारी कुएं में पड़े बोरे में एक लाश होने की सूचना मिली। बोरे को बाहर निकाला तो उसमें 20 से 25 साल के युवक का शव मिला। पहचान नहीं हो सकी। पीएम में मौत का कारण गला दबाकर हत्या करना सामने आया। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही थी।

28 दिसंबर को भैंसोदामंडी पुलिस ने अड़ीबाजी में बोरखेड़ा कोटा राजस्थान निवासी गजेंद्र उर्फ बंटी गुर्जर उर्फ टीटू गुर्जर पिता उदयलाल गुर्जर (45) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि 2015 में संजय पिता रमेशचंद्र अग्रवाल की कोटा से यहां लाकर हत्या की थी। इसके बाद शव को बोरे में भरकर साथी भैंसोदामंडी निवासी मनोज उर्फ कालू मेघवाल के साथ मिलकर मालीपुरा तलाब के पास बने सरकारी कुएं में फेंक दिया था।

मामले में पुलिस ने फिर जांच शुरू की। इसमें परिजन ने मृत युवक की पहचान विराटनगर जयपुर निवासी संजय के रूप में की। उन्होंने बताया कि संजय कोटा में आरोपी गजेंद्र के यहां किराये से रहता था तथा प्रॉपर्टी का काम करता था। मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। उसने बताया संजय ने उसकी पत्नी व भतीजी का नहाते हुए वीडियो बनाया और बाद में ब्लैकमेल भी किया। इसी बात से नाराज व परेशान होकर उसने संजय की हत्या कर दी। मामले में एक अन्य आरोपी मनोज उर्फ कालू मेघवाल ने 2021 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

यह है आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

आरोपी के खिलाफ 7 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इसमें कोटा में हत्या, चोरी व चोरी का सामान खरीदने, जबर्दस्ती वसूली, लूट, मृत्यु का भय दिखाकर वसूली, अवैध हथियार रखने तथा भानपुरा में हत्या का प्रकरण दर्ज है।

नेताजी के कुएं से मिली 30 किलो चांदी

देवास।

पुलिस ने देवास से 100 किलो चांदी बरामद की है। इसमें देवास के कंजर गिरोह का हाथ शामिल है। इससे पहले 4 मार्च को 70 किलो चांदी के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बरामद हुई चांदी में 30 किलो चांदी भाजपा नेता गौतम सिंह राजपूत के कुएं से बरामद हुई। इतनी भारी मात्रा में चांदी की बरामदगी को गुजरात के राजकोट-अहमदाबाद हाईवे पर हुई फिल्मी स्टाइल में चांदी की लूट से देखा जा रहा है। 17 फरवरी की इस घटना में लगभग 1400 किलो चांदी लूट ली गई थी।

देवास पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली कि चांदी का कोई माल है जो पड़ा हुआ है। जंगल में एक कुएं में जब तलाश किया गया तो उसमें से एक बोरी निकली। बोरी में से लगभग तीस किलो चांदी निकली है। पुलिस ने बताया कि पूरी चांदी को जब्त कर लिया गया है।

इस मामले भाजपा नेता गौतम सिंह राजपूत का कहना है कि, जंगल में उनका कुआं है। कुआं अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की जमीनों से लगा हुआ है। जंगल में होने के कारण कुएं की कोई देखभाल नहीं करता है इसलिए वो कुआं अपराधियों की जमीन से लगी हुई है। बीजेपी नेता ने बताया कि इन लोगों ने हरियाणा में भी चोरियां की हैं। उन्होंने अपराधी का नाम हेमराज झाला बताते हुए कहा कि इस बारे में जिले के एसपी को भी अवगत कराया गया था।

पहले मिली थी बाइक की चेंचिस

भाजपा नेता ने बताया कि, पिछले वर्ष इस कुएं की खुदाई करवाई गई थी तब भी इस कुएं में बाइक की चेंचिस मिली थी। जंगल में होने के कारण यहां कोई रहता नहीं है इसलिए ये अपराधियों के के लिए सामान छिपाने का एक आसान जरिया बन गया है।

मेकअप आर्टिस्ट बबली गंभीर शक्ति अवार्ड से सम्मानित

बबली गंभीर के हाथ छोटे लेकिन काम बड़ा कर क्षेत्र को कई बार कर चुकी हैं गौरवांवित

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वुमन्स प्रेस क्लब इंदौर द्वारा राष्ट्रपति पुरुस्कार से सम्मानित शहर की मेकअप आर्टिस्ट बबली गंभीर को शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवार्ड प्राप्त कर बबली ने एक बार फिर जावरा शहर को गौरान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि, शहर के मेकअप आर्टिस्ट बबली पूर्व में भी कई बार बड़े मंचों से अवार्ड प्राप्त कर जावरा का नाम रोशन कर चुकी है।

शक्ति अवार्ड प्राप्त कर जावरा लोटी बबली ने बताया कि, इंदौर में आयोजित शक्ति अवार्ड समारोह में प्रदेशभर की करीब 33 महिलाओं को अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। अवार्ड समारोह में अतिथि के रुप में सांसद शंकर ललवानी, आपीएस योग चेन डोरकर भुटिया, फिल्म अभिनेत्री ऋचा सिन्हा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जीतु जीराती, समाजसेवी योगेन्द्र महंत, अर्चना जायसवाल, माला ठाकुर उपस्थित रही। वुमन्स प्रेस क्लब इंदौर की अध्यक्ष शीतल रॉय और सचिव ऋतु साहु द्वारा आयोजित शक्ति अवार्ड समारोह में प्रदेश भर की अलग अलग फिल्ड में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। बबली की इस उपलब्धी पर जावरा के शहर के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया।

हारे का सहारा सेवा समिति ने किया आदर्श होलिका दहन

माही की गूंज, भानपुरा।

नगर की सामाजिक संस्था हारे का सहारा सेवा समिति द्वारा आदर्श होलिका दहन की गई। आपको बता दें कि जिला कलेक्टर मंदसौर द्वारा जिले वासियों से अपील की गई थी कि, आप सभी होली दहन में कंडो का उपयोग करें। इसी को लेकर नगर की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था हारे का सहारा सेवा समिति द्वारा आदर्श होली दहन किया गया। जिसमें 301 कंडे के साथ होली दहन किया गया। यह होली दहन नगर के लोटखेड़ी गेट पर विधायक देवीलाल धाकड़, रासबिहारी द्विवेदी, राकेश मादलिया, समिति मार्गदर्शक मुकेश किशन राठौर, अध्यक्ष सुनील माली व अन्य सभी समिति सदस्यों गणमान्य नागरिकों द्वारा पूजा अर्चना कर होलिका दहन किया गया। होलिका दहन के पश्चात सभी ने एक-दूसरे को होली पर्व की बधाइयां शुभकामनाएं प्रेषित की व आभार समिति कोषाध्यक्ष अर्पित चंदेसिया द्वारा माना गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित

माही की गूंज, शाजापुर।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह 4 मार्च से लेकर 11 मार्च तक जागरुकता कार्यक्रम जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित किए जा रहा है। इसी श्रंखला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ललित किशोर के मुख्य आतिथ्य में तथा कलेक्टर दिनेश जैन व सचिव एवं जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजेन्द्र देवड़ा के विशेष आतिथ्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अंतर्गत आज 7 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर विधिक जागरूकता शिविर सम्मान समारोह का आयोजन एडीआर सेन्टर के सभागार सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ललित किशोर ने अपने उदबोधन में बताया कि, महिलाओं में पुरूषों की अपेक्षा सहनशीलता अधिक होती है, महिलाएं किसी बच्चे के जन्म होने पर पहली गुरू होती है जो गुण एक माता अपने बच्चें को देती है वह जीवन भर उसके साथ रहते है। महिलाओं के लिए समाज में बराबरी का हक मिलना चाहिए, किन्तु समाज की भी यह जिम्मेदारी है की वे महिलाओं को आगे बढाने में सहयोग करें। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानून बनाएं गए है, किन्तु उनका सद्उपयोग हो इसकी भी जागरूकता होना चाहिए। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथिगण द्वारा समस्त महिला न्यायाधीशगण, महिला अधिवक्तागण, महिला अधिकारी, महिला न्यायिक कर्मचारी व समस्त उपस्थित महिलाओं का सम्मान पुष्पगुच्छ, सम्मान मंजूषा स्मृति चिन्ह व कलम भेंट कर किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर जैन ने उपस्थित सभी महिलाओं को महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम के लिए अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है, किन्तु आरक्षण देने मात्र से महिलाओं का विकास संभव नहीं हुआ है। धरातल पर आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं प्रताड़ना का शिकार हो रही है। कई महिलाएं अपने साथ हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज नहीं उठा पाती है। कुछ ही मामले न्यायालय तक न्याय के लिए पहुंचते है। महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी भी नहीं है। सर्वप्रथम महिलाओं को उनके अधिकार और उनके कर्तव्य के प्रति जागरूक करना होगा तथा महिलाओं की परिवार एवं समाज में राय को महत्व को देना होगा, तभी समाज का विकास संभव है।

इस अवसर पर प्रथम जिला न्यायाधीश शाजापुर श्रीमती नीतूकान्ता वर्मा ने भी कहा कि, महिलाओं के उत्थान के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे तब ऐसा अवसर आयेगा जब महिला दिवस मनाने की आवश्यकता ही नहीं होगी। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष कमल किशोर श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में समस्त उपस्थित महिलाओं का सम्मान किया गया तथा मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथिगण को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। उपस्थित समस्त महिलाओं व अतिथिगण का आभार व कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी फारूक अहमद सिद्दीकी ने किया। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश मोहम्मद अजहर व अन्य न्यायाधीशगण तथा महिला एवं बाल विकास से जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री नीलम चौहान, सुश्री नेहा चौहान, श्रीमती नेहा जायसवाल, पंकज दवे, अधिकारीगण व न्यायिक कर्मचारीगण सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

गोपनीय सूचना पर कलेक्टर ने संज्ञान लेकर फिल्मी अंदाज में करवाई कार्रवाई

सामुहिक नकल कराने वाले रैकेट का पर्दाफाश, कक्षा 10 वी के छात्रों को पास कराने के लिए उत्तर बनाते हुए पकड़ा

4 विभागों ने की संयुक्त कार्रवाई में 9 लोगों मे से 8 शिक्षक, थाने में एफआईआर दर्ज

माही की गूंज, खरगोन।

जिले की अतिदुर्गम पहाड़ी क्षेत्र सिरवेल के परीक्षा केन्द्र पर हैरतअंगेज कारनामे का पर्दाफाश हुआ है। यहां पर परीक्षा केन्द्र से कुछ ही दूरी पर सुने मकान में 8 अध्यापक, अतिथि शिक्षक और सहायक शिक्षक और एक अन्य व्यक्ति कक्षा 10वीं का सामाजिक विज्ञान का पेपर साल्व करते रंगे हाथों पकड़ाए। दरअसल इस तरह के रैकेट की भनक कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा को 6 मार्च को एक मुखबिर के जरिए लगी। कलेक्टर वर्मा ने नाटकीय ढंग से नकल कराने वाले रैकेट को पकड़ने की रूपरेखा बनाई। जिसके मुताबिक जिला मुख्यालय से एसडीएम और शिक्षा अधिकारी व बीईओ रात में ही प्रायवेट वाहनों से गांव पहुंच गए। यहां उन्होंने रात गुजारी और अपना काम सुबह से प्रारम्भ किया। कक्षा 10 वी पास कराने वाले एक रैकेट का जिला प्रशासन द्वारा पर्दाफाश किया गया है।

पूरी कार्रवाई को लेकर कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने बताया कि, अत्यंत गोपनीय सूचना के आधार पर पूरी रूपरेखा तैयार की गई। इस दल को शासकीय वाहनों के बजाय अन्य प्रायवेट वाहनों से रात में ही भेजा गया। जिनकी टीम बनाई गई उन्हें देहाती पहनावे में भेजा गया। रात भर इंतजार के बाद सूचना के आधार पर टीम ने अपना काम शुरू किया।

परीक्षा केंद्र के पास वाले मकान से ही होता था खेल

एसडीएम ओएन सिंह ने बताया कि, प्लानिंग के अनुसार सोमवार रात में ही शिक्षा, जनजाति, राजस्व और पुलिस विभाग का अमला पहुँच गया था। मंगलवार को कक्षा 10 वी का सामाजिक विज्ञान के पेपर शुरू होने के बाद केंद्र पर हलचल शुरू हुई। मौका देखकर दल ने अपना काम शुरू किया। परीक्षा केंद्र के पास के ही मकान में करीब 9 लोग उत्तर बनाते हुए पकड़े गए। इसमें 8 शिक्षक भी शामिल थे। जांच के दौन सभी के मोबाइल पर सामाजिक विज्ञान प्रश्न पत्र का लिया गया फोटो पाया गया। साथ ही उनके पास से 10 सामाजिक विज्ञान की गाईडे, जिसके पन्ने फटे हुए पाए गए। इसके अलावा मकान के अंद ही ओबजेक्टिव के प्रश्न कार्बन पेपर की सहायता से लिखते पाएं गए।

स्विफ्ट डिजायर से आकर साल्व कराते थे

एसडीएम ओएन सिंह ने बताया कि, स्कूल में संदेहास्पद व्यक्ति की स्विफ्ट डिजायर देखी गई। केन्द्राध्यक्ष से पूछे जाने पर व्यक्ति कहीं और पदस्थ है। सिरवेल थाने में परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा 3 डी, के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। मकान में नांदिया हाईस्कूल के अध्यापक सचिन गाड़गे और बहादुरसिंह गरासे, खेरकुंडी के अतिथि शिक्षक वसीन खान, कोटबेड़ा स्कूल के अतिथि शिक्षक सुरेश सोलंकी व अनिल बड़ोले, प्राथमिक स्कूल कोटबेड़ा के सुनिल मोरे, सिरवेल स्कूल के ही सहायक शिक्षक दयाराम सोलंकी, और नांदिया स्कूल के सुरेश बारेला तथा महाराष्ट्र के सुनिल पंवार सुने मकान में प्रश्न हल करते पाए गए। कार्यवाही में एसडीएम, प्रभारी शिक्षा अधिकारी हेमेन्द्र वडनेरकर, थाना प्रभारी और बीईओ एके गुपता ने भूमिका निभाई।

इंडियन महिलाओं के हाथों बनी साड़ियां फॉरेनर लेडीज़ को आ रही पसन्द

माही की गूंज, खरगोन।

डिजिटल मीडिया के सहारे अब आप पूरी दुनिया से जुड़कर न सिर्फ अपने विचारों और योजनाओं को फैला सकते हैं। बल्कि अपने व्यापार का भी ग्लोबल तक विस्तार कर सकते हैं। महेश्वर की दो महिलाओं ने डिजिटल या सोशल मीडिया का सहारा लेकर लोकल से ग्लोबल तक अपने हाथों से बनी साड़ियों का विस्तार किया है। दो इंडियन महिलाओं के हाथों से बनी साड़ियां विदेशी महिलाओं को खूब पसंद आ रही है। मनोरमा पंवार ने बताया कि महेश्वर के हैंडलूम की विदेशों में मांग बढ़ रही है। सोशल मीडिया पर शिकागो शहर की डायना और मस्कट की सुचिता अक्सर यहां के उत्पाद खरीदती है। सिर्फ इन दो शहरों से नहीं बल्कि कई विदेश के शहरों में महेश्वर की डिजाई पसन्द की जा रही है। महेश्वर की मनोरमा पंवार और शमशाद भी सोशल मीडिया के माध्यम से मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, दुबई और यूएस तक पहुँचकर व्यापार कर रही है। ईडीआईआई के सुरेंद्र जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल 22 से फरवरी 23 तक बुनकरों ने सोशल मीडिया और एक्सिबिशन के जरिये 2 करोड़ 97 लाख रुपये की महेश्वरी हैंडलूम के उत्पादों को बेचा है। महेश्वर हैंडलूम उत्पादों का प्रोडक्शन पिछले वर्षों की तुलना में 25 से 30 प्रतिशत बढ़ा है।

6 मार्च को महिला दिवस ले अवसर पर ईडीआईआई संस्थान द्वारा अहमदाबाद में वीमेन इन लीडरशिप कॉन्क्लेव में मप्र की मनोरमा पंवार और शमशाद बी खान का सम्मान किया गया है। यह सम्मान राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा द्वारा किया गया। सम्मान में शॉल श्रीफल और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा भेंट की गई। कार्यक्रम में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के गेस्ट ऑफ ऑनर श्रीमती पंकज मित्तल, अकासबीसी के सीनियर वॉइस प्रेजिडेंट रोमित सेन व अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केबिनेट मंत्री ने किया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बड़वानी नगर के वार्ड क्रमांक 7, 8 एवं 11 में पहुंचकर महिलाओं का सम्मान कर उन्हे साड़ी भेंट की। इस दौरान प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने कहा कि, यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता। अतः हमे हर महिला का सम्मान करना चाहिए। क्योकि महिलाओ के पास जो शक्ति एवं साहस है, वह पूज्यनीय है। महिला जितने अच्छे तरीके से घर चलाती है उतने ही अच्छे तरीके से वह बाहर का भी हर कार्य करती है। घर और बाहर में संतुलन किस प्रकार स्थापित करना है, यह कला सिर्फ महिलाओं को ही आती है। इस दौरान वार्ड क्रमांक 11 की एक वृद्ध महिला का जब केबिनेट मंत्री ने सम्मान किया तो महिला की आंखे नम हो गई, उन्होने नम आंखों से केबिनेट मंत्री को आर्शीवाद दिया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि निक्कू चोहान, मण्डल अध्यक्ष कृष्णा गोले, वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद अविनाश कलोसिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती प्रिया सोनी, गणमान्य हेमंत अग्रवाल एवं जितेन्द्र देवजीत उपस्थित थे।

पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने विदेश अध्ययन हेतु विद्यार्थी को दी छात्रवृत्ति

माही की गूंज, बड़वानी।

पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा पिछडा वर्ग के विद्यार्थियों को विदेशो मे अध्ययन हेतु विशिष्ट क्षेत्रों मे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, शोध उपाधि (पीएचडी) एवं शोध उपाधि उपरांत शोध कार्यक्रमों मे भाग लेने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना का संचालन किया जाता है।

योजना के अन्तर्गत आयुक्त पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग म.प्र. भोपाल के द्वारा जिले के यश पिता संजय पटेल निवासी भोई विकासखण्ड पानसेमल जिला बड़वानी को छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई। स्वीकृती के आधार पर कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग के अनुमोदन उपरान्त छात्रवृत्ति की राशि रूपये 26 लाख 54 हजार 927 रुपए के भुगतान की कार्रवाई की है।

उल्लेखनीय है कि पिछडा वर्ग के विद्यार्थियो को विदेशो मे विशिष्ट क्षेत्रो मे स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस छात्रवृत्ति हेतु पिछडा वर्ग के वे विद्यार्थी आयुक्त पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग भोपाल को आवेदन कर सकते है। आवेदक की आयु 35 वर्ष से कम होना चाहिये तथा माता-पिता व अभिभावक की समस्त स्त्रोतो से वार्षिक आय क्रिमीलियर हेतु निर्धारित आय सीमा से अधिक नही होनी चाहिये एवं एक ही माता-पिता, अभिभावक के एक ही बच्चे को छात्रवृत्ति प्राप्त करने की पात्रता होगी। यह छात्रवृत्ति प्रत्येक वर्ष आयुक्त, पिछडा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग म.प्र. भोपाल के द्वारा विज्ञापन मे विज्ञप्ति प्रसारित कर योग्य विद्यार्थियों को प्रदान करने की कार्यवाही की जाती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रगतिरत आवासों को करवाया जाए पूर्ण- कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी। जिले की 9 नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनने वाले प्रगतिरत आवासों को पूर्ण करवाया जाये। क्योकि शासन के नियमानुसार 90 प्रतिशत आवास पूर्ण होने पर ही तीसरी किश्त जारी की जायेगी। अतः आवासों को पूर्ण करवाकर हितग्राहियों को गृह प्रवेश करवाया जाये। कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने उक्त बाते मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह आयोजित शहरी विकास अभिकरण की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए नगर निकायों के सीएमओ को दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं पीओ डूडा डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे सहित नगर निकायों के सीएमओ सहित विभिन्न योजनाओं में कार्यरत कर्मी उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर ने समस्त नगरीय निकायों के सब इंजीनियरो को निर्देशित किया कि वे अनाधिकृत कालोनियों का लेआउट बनाकर अगले 7 दिवस में लेआउट एवं इस्टीमेट प्रस्तुत करे। वही स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत निर्देशित किया कि गतवर्ष की रैंकिंग में प्राप्त नंबरों के आधार पर इस वर्ष ओर अधिक प्रयास करके अधिक नंबर के साथ प्रथम रैंकिंग प्राप्त करने का प्रयास करे। इस दौरान बैठक में उपस्थित जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण भी दिया। तथा निकायों के सीएमओ को बताया कि, वे समग्र का ईकेवायसी करवाकर महिलाओं को उक्त योजना का लाभ दे सकते है।

कैबिनेट मंत्री ने हवा-आंधी से प्रभावित किसानों के खेत पहुँचकर किया फसलों का निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने सोमवार शाम को तेज आंधी-तूफान से हुए फसलों के नुकसान का किसान भाइयों के खेत पहुंचकर निरीक्षण किया। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने कल्याणपुरा, पेंड्रा एवं कालीबेड़ी में किसानों के खेतों में पहुंचकर फसल की स्थिति को देखा। इस दौरान उन्होंने तहसीलदार बड़वानी श्रीमती आशा परमार एवं संबंधित ग्राम के पटवारी को निर्देशि दिये कि सर्वे एक-दो दिन में पूर्ण किया जाये। साथ ही यह भी निर्देशित किया कि किसानों को उनके नुकसान का मुआवजा नियमानुसार दिया जाए।

फसल नुकसानी का सर्वे कर आंकलन और फिर भरपायी की जाएगी- कृषि मंत्री

माही की गूंज, खरगोन।

प्रदेश के कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने कहा कि, कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश होने से फसले आड़ी और कई जगह ओले की समस्या से फसलों को नुकसान हुआ है। मंत्री पटेल ने किसान भाईयों से कहा कि आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश और केन्द्र में गांव, गरीब और किसानों की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिला में जहां-जहां बारिश हुई और ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ है। उन जिलों के कलेक्टर्स को निर्देशित कर दिया है कि तत्काल एक राजस्व विभाग टीम की बनाई जाए और बीमा कंपनियों को भी निर्देशित कर दिया है कि वीडियो ग्राफी करवाकर एक-एक गांव की और किसानों की फसल का सर्वे किया जाए। जो फसले बारिश व हवा के कारण आड़ी पड़ गई है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की भी फसलों को नुकसान पहुंचा हैं उनका सर्वे व आंकलन कर तत्काल राहत देने का कार्य किया जाएगा। साथ ही कहा कि जितने भी किसानों की फसलों को नूकसान हुआ है उसकी क्षतिपूर्ति की जाएगी। मंत्री श्री पटेल ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि जहां भी फसलों को नुकसान हुआ है उनका 72 घंटे में सर्वे व आंकलन करें अधिसूचित कर ले ताकि बीमा कंपनी से भी उन्हें लाभ दिलाया जा सके।

खाद्य विभाग ने 3 डेरियों और 6 दूध विक्रेताओं से दूध के नमूने किए एकत्र

माही की गूंज, खरगोन।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत लगातार दूध और दूध से बने उत्पादों के जांच करने की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल आवास्या ने बताया कि, बडे नगरों के साथ ही छोटे-छोटे कस्बों में भी कार्यवाही की जा रही है। नगरीय क्षेत्रों में निरीक्षण कर 3 दूध डेरियों और 6 दूध विक्रेताओं से भैंस के दूध और मिश्रित दूध के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि, छोटी कसरावद मेन रोड़ स्थित माँ उमिया दूध डेरी से मिश्रित का, लोहारी मेन रोड़ स्थित सोहन दूध डेयरी से मिश्रित दूध का, महेश्वर की फेमस दूध डेयरी से दूध का नमूना लिया है। जबकि महेश्वर के दूध विक्रेता कड़वा पिता गंगाराम धनगर हांकर, सुरज पिता परसराम और जगदीश पिता नवल पटेल हांकर दूध विक्रेता से भैंस के दूध का नमूना लिया गया। इसी तरह खरगोन के बिस्टान रोड़ स्थित दूध विक्रेता निलेश पिता शांताराम गुजराती हांकर, विनोद पिता जगदीश यादव और पवन पिता धनगर हांकर से भैंस के दूध के नमूने संग्रहित किए गए हैं।

खाद्य विभाग के श्री आवास्या ने बताया कि, खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित विक्रेताओं के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम 2011 एवं विनियम 2011 के तहत वैद्यानिक कार्यवाही की जाएगी। अभियान के तहत खाद्य विभाग की खाद्य पदार्थों की जांच की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरआर सोलंकी एवं नरसिंह सोलंकी उपस्थित रहे। नमूने असुरक्षित और अवमानक पाएं जाने पर सजा और जुर्माने के प्रावधान है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास एवं जुर्माना

माही की गूंज, बड़वानी।

न्यायाधीश विशेष न्यायालय (पाक्सो) बडवानी श्रीमती सारिका गिरी शर्मा ने अपने फैसले मे आरोपी द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने के आरोप मे आरोपी राकेश थाना पाटी जिला बड़वानी को धारा 5 (जे) (पप)/6 एवं धारा 5एल/6 लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 में आजीवन कारावास एवं एक-एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। अभियोजन की ओर से पैरवी दुष्यंतसिंह रावत अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी बडवानी द्वारा की गई।

दुष्यंतसिंह रावत अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी बडवानी ने बताया कि, घटना दिनांक एक अगस्त 2021 को अभियोक्त्री अपने गाँव के बच्चो के साथ जंगल तरफ बकरिया चराने के लिये गयी थी। तब आरोपी राकेश भी वहाँ पर आया था और उसने दुसरे बच्चो को पानी पीने के लिये उनके घर पर भेज दिया। बाद आरोपी ने अभियोक्त्री को पकड लिया था और अभियोक्त्री के साथ जबरदस्ती दुष्कर्मकिया और अभियोक्त्री से बोला कि, घर जाकर तेरे मम्मी पापा को मत बताना नही तो तुझे जान से मार डालुंगा। आरोपी ने दो-तीन बार अभियोक्त्री के साथ जबरजस्ती (दुष्कर्म) किया। और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। अभियोक्त्री का मासिक धर्म नियमित नही आने पर उसने अपनी माता को बताया कि, जब अभियोक्त्री बकरीया चराने जाती थी तब आरोपी ने अभियोक्त्री के साथ अनेक बार जबरजस्ती दुष्कर्म किया और घर वालो एवं किसी और को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। उसके बाद अभियोक्त्री के परिजनों ने अभियोक्त्री को लेकर जाकर सोनोग्राफी टेस्ट करवाया। तब डॉक्टर ने अभियोक्त्री को 8 महिने का गर्भ होना बताया। अभियोक्त्री के परिजनों ने घटना की रिपोर्ट थाना पाटी पर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया व प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। प्रकरण में विवेचना उपनिरीक्षक रामकृष्ण लोवंषी थाना पाटी द्वारा की गई थी प्रकरण अत्यंत गभींर होने से प्रकरण को जघन्य एंव सनीसनीखेज की श्रेणी में चिन्हित किया गया था प्रकरण की लगातार मानिटरिंग दीपक शुक्ला पुलिस अधीक्षक बडवानी द्वारा की गई।

आदिवासी संस्कृति का महापर्व भगोरिया शांतिपूर्वक संपन्न

विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों ने ढोल-मांदल की थाप पर निकाली गैर

माही की गूंज, आम्बुआ।

एक वर्ष के लंबे अंतराल के बाद संपन्न होने वाला अंतिम भगोरिया आम्बुआ में संपन्न हो गया। इस बार बड़े झूले, मौत का कुआं आदि नहीं आने के कारण भगोरिया मेला स्तर पर रोनक नहीं रही लेकिन बाजारों में धंधा व्यवसाय ठीक रहा। परंपरा के अनुसार विभिन्न राजनीतिक दलों तथा संगठनों ने ढोल मांदल पर गेर निकाली।

जैसा की विदित है कि, होलिका दहन से पूर्व एक सप्ताह तक भगोरिया मेलों का आयोजन साप्ताहिक हाट बाजार के दिन किया जाता है। आदिवासी समुदाय का यह सांस्कृतिक पर्व नई फसल तैयार होने के समय मनाया जाता है। यह पर्व अपनी मस्ती में झूमने नाचने गाने आदि के साथ पुरातन आदिवासी सांस्कृतिक को बनाए रखने के लिए मनाया जाता है। जिसमें छोटे-बड़े स्त्री पुरुष सभी भाग लेते हैं। भगोरिया मेला विशेषकर झूले, चकरी, पान, खजूर, शक्कर की माजम तथा क्षेत्रीय ताड़ी की मस्ती का होता है। जिसमें सब झूमते नजर आते हैं। भगोरिया मेले में इस बार आगामी विधानसभा 2024 हेतु राजनीतिक पार्टियों का मुख्य आकर्षण वाला रहा लगभग हर कस्बा शहर जहां पर भगोरिया मनाया जाता है। वहां सभी राजनीतिक दलों की उपस्थिति देखी गई।

प्रदेश की प्रमुख पार्टियां कांग्रेस तथा भाजपा के साथ-साथ आम आदमी, जय संगठन, भील सेना तथा रविदास समाज ने आम्बुआ भगोरिया में गैर निकालकर माहौल का रंग रंगीला बना दिया। सुबह से लेकर शाम तक भगोरिया की मस्ती में सब झूमते नजर आए। प्रशासनिक नजर पूरे दिन बनी रही। पुलिस विभाग, राजस्व विभाग का अमला सतत निगरानी में लगा रहा।

भील सेना ने भगोरीया के बहाने दिखाई ताकत

भगोरिया के आखरी दिन आम्बुआ के हाट में आदिवासी समाज के सामाजिक संगठन भील सेना ने जोबट नाके से ढोल मांदल की थाप पर गैर निकाली। इस गैर का नेतृत्व भील सेना के प्रमुख शंकर बामनिया, भदू पचाया, भील सेना प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल, जिलाध्यक्ष चतरसिंह मंडलोई ने किया। लगभग 40 से 50 मादंल के साथ हजारो की संख्या मे यूवा ओर आदिवासी समाज के लोग नाचते हुए गैर मे चल रहे थे। मांदल की थाप ओर बासूरी की तान से आम्बुआ मे भगोरिया का समापन हूआ। इस दोरान जिला कार्यवाहक अध्यक्ष सारेंग बामनिया, केनसिंह भूरिया, राजेश भूरिया जिला आईटीसेल, माधु सरपंच ईटारा, राजु सरपंच जवारी, आशीष कटारिया सरपंच बोरझाड़, अंतरसिंह मावी सरपंच झीरण, अदेसिंह वसुनिया सरपंच मायावाट, काहरु बामनिया सरपंच लील उमरी, राकेश चंगोड़ पुर्व जनपद सदस्य, ईश्वर कटारिया, वेस्ता मावी पुर्व सरपंच, सीमोन झोरा, निर्भयसिंह चौहान घुसबयड़ा, राघु बघेल सरपंच अगोनी, प्रदीप मेहड़ा जनपद सदस्य, संजय रावत सरपंच सुमनियावाट, सुमित कटारिया पुर्व सरपंच बोरझाड़, संजय भूरिया भील सेना ब्लाक अध्यक्ष आलीराजपुर, अतीस पचाया पुर्व सरपंच अम्बारी, सचिन कटारिया, रमेश देवड़ा, प्रकाश कलेश, दिलीप कटारिया, इंदरसिंह डावर बेटवासा, प्रेमसिंह चौहान पुर्व सरपंच घुसबयड़ा, वेस्ता बामनिया, सुमारिया पचाया, गोविंदा पचाया, राहुल बामनिया, राकेश पचाया, मगन तड़वी ईटारा, प्रकाश सिंगाड़, वीनु खराड़ी , सरदार कटारिया आदि उपस्थित रहे।

भगोरिया के रंग में रंगे एसडीओपी ने जमकर बजाए मांदल और मिलाई थाली से थाप

माही की गूंज, जोबट।

आदिवासी लोक संस्कृति के महापर्व भगोरिया का उल्लास अलिराजपुर जिले में चरम रहा। जिले में नानपुर, बलेड़ी, उमराली और क़दवाल में भगोरिया मेलों का आयोजन हुआ। सभी स्थानों पर जमकर लोक पर्व का उल्लास छाया। नानपुर भगोरिया में एसडीएम लक्ष्मी गामड़ तथा एसडीओपी जोबट नीरज नामदेव के नेतृत्व में प्रशासन पूरे दिन मुस्तैद रहा। ड्यूटी के दौरान एक ग़ैर को देखकर एसडीओपी स्वयं को रोक न सके और उन्होंने जमकर मांदल बजाया और थाल की थाप से भी ताल मिलाई। एसडीओपी द्वारा मांदल बजाने पर आदिवासी युवा हो या बुजुर्ग सभी थिरकने लगे और जमकर नृत्य किया तथा युवक-युवतियाँ उनके साथ सेल्फ़ी खिंचवाते भी नज़र आये एवं कुर्राटियों, बांसुरी एवं मांदल की धुन से समां बंध गया।

गैर में शामिल हुए कान्तिलाल भूरिया व महेश पटेल

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

आजाद नगर भाबरा भगोरिया में गैर में शामिल हुए कान्तिलाल भूरिया व महेश पटेल मांदल की थाप पर थिरके साथ ही मांदल भी बजाई। दोनों नेताओं के साथ ही लहीक मोहोम्मद शैख, हरीश भाबर, हनीफ खान वकील आदि साथ में थे। एसडीओपी निरज नामदेव की देखरेख में पुलिस चुस्त दिखाई दी। साथ ही आजाद नगर भाबरा थाना प्रभारी शिवराम जमरा ने भगोरिया स्थल पर पैहनी नज़र रखी। भगोरिया पर्व क्षैत्र का आखरी होने से बहुत भीड़ रही। आमजन ने अंगूर, कुल्फी खाकर लूत्र उठाया, वहीं बच्चों के खिलोने की बहुत बिक्री हुई। साथ ही भोजन के लिए भगोरिया पर्व मनाने आने वालो ने गुजरात की प्रसिद्ध बिरीयानी खाकर बहुत आनन्द लिया। मेले में इस बार चार बड़े शुले होने? से 1 बजे से तीन बजे तक अच्छी खासी भीड़ रही। तीन बजे झूले बंद होने से फिर भगोरिया में आये लोग घर की ओर रूख किया। इस बार बड़े अधिकारी भगोरिया में शामिल नहीं हुए। तेहसीलदार जितेन्द्र सिंह तोमर ने पूरी नजर रखी ओर पूरे भगोरिया में ड्रोन केमरे की नजर रही।

गैस सिलेंडर के भाव बढ़ने से उपभोक्ताओं में हड़कंप

माही की गूंज, आम्बुआ।

महंगाई, महंगाई और महंगाई जिधर देखो उधर महंगाई की मार, जिसमें सभी वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। विशेषकर गरीब तथा मध्यवर्गीय परिवारों की तो जैसे कमर तोड़ी जा रही है। अन्य सामान के साथ ही अति आवश्यक कही जाने वाली घरेलू तथा व्यवसायिक सिलेंडरों के बढ़े भाव बढ़ जाने से हड़कंप मचा है।

वर्तमान समय सर्वाधिक महंगाई वाला कहा जा सकता है आटा, दाल, कपड़े, सब्जियां सब कुछ दिन प्रतिदिन महंगाई की लंबी छलांग लगाते दिखाई दे रहे हैं। जिस दिन प्रदेश सरकार अपना लोकलुभावना बजट पेश कर रही थी, उसी दिन पेट्रोलियम कर्मचारियों ने घरेलू गैस सिलेंडरों पर 50 रुपये तथा व्यवसायिक सिलेंडर के 350 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ाने की घोषणा ने बजट में मिली राहतों को जैसे दबा कर रख दिया। उज्ज्वला योजना के तहत मिले सिलेंडरों को अधिकांश उपभोक्ता घरों में रखकर लकड़ी कंडे पुनः जलाने लगे हैं और घरों से पुनः धुआ उठता दिखने लगा है। मगर कस्बा तथा शहरी क्षेत्रों में निवासरत गरीब एवं मध्यवर्गीय उपभोक्ता क्या करें...? इधर सब्सिडी भी लगभग अधिकांश उपभोक्ताओं की बंद हो चुकी है, जिनकी आ रही है वह भी बहुत कम तथा कभी आती है तो कभी नहीं आ रही है। महंगाई की मार के बीच सिलेंडर के भावों ने पेट कैसे भरा जाए यह प्रश्न खड़ा कर दिया है...?

माहीसागर मिण्डा में 15 मिनीट गिरे ओले, अमझेरा में तेज बारीष से सड़के हुई तरबतर

माही की गूंज, धार/अमझेरा।
विक्रमसिंह राठौर

बुधवार को मौसम परिवर्तन के साथ ही समीपस्थ ग्राम माहीसागर मिण्डा में तेज हवा आंधी के साथ ओलावृष्टि एवं बारीश होने से किसानों के खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है। ग्राम के हुकुमसिंह सुनेर ने जानकारी देते हुए बताया कि, दोपहर में 15 मिनीट तक ओलावृष्टि हुई, जिसमें बैर के आकार के ओले गिरे। साथ ही करीब एक घंटे तक तेज हवा आंधी के साथ बारीश होती रही। जिससे गेहुं, चने की फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं खेत-खलिहानों में रखा हुआ भुसा भी खराब हुआ है एवं खेतां में मशीनों से गेंहु कटाई के बाद भुसा निकाला जाना था लेकिन वह भी पुरी तरह से खराब हो गया। जिससे पशुओं के आहार को लेकर परेशानी उठाना पड़ेगी। इसके साथ ही अमझेरा में भी तेज हवा आंधी एवं बारीष से सड़को पर पानी बह निकला। बै-मोसम बारीश से वातावरण में ठंडक घुल गई एवं किसानों को भारी परेशानी का सामना उठाना पड़ा।

7 मार्च को संपन्न हुआ होलिका दहन

माही की गूंज, आम्बुआ।

हिंदू सनातन धर्म का विशेष पर्व होली इस बार अलग-अलग तारीखों में किया गया। ज्योतिषियों की अलग-अलग गणना तथा आदिवासी जिले में अपनी-अपनी परंपराओं के कारण क्षेत्र में होलिका दहन एक दिन की बजाय तीन दिनों तक किया गया। आम्बुआ कस्बा क्षेत्र में 7 मार्च की रात होलिका दहन यहां के पुजारा द्वारा किया गया।

धार्मिक त्योहार इन दिनों एक साथ न मनाया जाकर अपनी-अपनी सुविधा से मनाए जाने लगे हैं। उसका प्रत्यक्ष उदाहरण वर्तमान में ही देखें, जब होलिका दहन जोबट अलीराजपुर सहित कई स्थानों पर 6 मार्च को किया गया मगर आम्बुआ में भगोरिया मंगलवार का होने से होली मंगलवार 7 मार्च को दहन की गई। जिस कारण आगामी त्यौहार धूलैण्डी रंग पंचमी तथा शीतला सप्तमी भी अलग-अलग दिनों में मनाई जा सकती है। आम्बुआ में 7 मार्च को रात में होलिका दहन किया गया। उसके पूर्व सनातनियों ने पूजा अर्चना की। होलिका दहन में कस्बे से प्रत्येक हिंदू परिवार उपस्थित हुआ तथा पूजा आदि कर होली की परिक्रमा कर श्रीफल चढ़ाया।

होली के दिन शराबी पति ने काट ली पत्नी की नाक

ग्वालियर।

पत्नी ने मायके जाने की जिद की तो उसका शराबी पति इतना नाराज हो गया कि, उसने गुस्से में ब्लेड से अपनी पत्नी की नाक काट ली और धमकाते हुए भाग गया कि अगर वह मायके गई तो वह उसे जान से मार देगा। पुलिस आरोपी पति की तलाश कर रही है। घटना ग्वालियर जिले के घाटीगाँव थाना क्षेत्र की है। इस इलाके में रहने वाला प्रीतम शराबी है और नशा करने के बाद आये दिन वह अपनी पत्नी मीना के साथ मारपीट करता रहता था। बताया जा रहा है कि होली की देर शाम को वह नशे में धुत्त होकर घर पहुंच गया और पत्नी के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने लगा।

पर्व के दिन मारपीट से नाराज मीना ने कहा कि, वह अपने मायके जा रही है। इससे प्रीतम का गुस्सा और भी सातवें आसमान पर चढ़ गया। आरोप है कि, वह गया और चुपचाप धारदार ब्लेड उठा लाया। जब तक उसकी पत्नी मीना कुछ समझ पाती तब तक उसने मीना को पकड़कर उंसकी नाक काट ली। उसने भागने के पहले धमकी भी दी कि अगर वो मायके गई तो वह उसे जान से मार डालेगा।

अब तक की जांच-पड़ताल के दौरान पुलिस को घायल महिला मीना आदिवासी ने बताया कि, 2017 में शिवपुरी के पास रहने वाले राजेश से उनकी शादी हुई थी। लेकिन उनका पहला पति राजेश भी उसके साथ लगातार मारपीट करता था। इसलिए उसने उसने शादी के एक साल बाद ही उसे छोड़ दिया था। महिला ने आगे बताया है कि इसके बाद 2018 में ग्वालियर किला घूमने गई थी और तभी मेरी मुलाकात प्रीतम आदिवासी से हुई थी। प्रीतम ने मुझे कहा था कि, वह मुझे पसंद करता है उससे शादी करना चाहता है। उसने बताया था कि, वह धंधा करता है और विश्वास दिलाया था कि वह उसे बहुत खुश रखेगा। उसकी बातों में आकर मैंने शादी कर ली। शादी के कुछ महीनों तक ठीक रहा लेकिन उसके बाद में प्रीतम भी शराब पीकर आए दिन मेरे साथ मारपीट करने लगा। जब मैं उसका विरोध करती थी तब मेरे साथ और बेरहमी से मारपीट करता था। मैंने उसे कई बार छोड़ने के लिए कहा था। वह मुझे हर बात जान से खत्म करने की धमकी देकर चुप करा दिया करता था।

प्रेमिका से मिलने ससुराल पहुंचे प्रेमी की कर दी पीट-पीटकर हत्या

मुरैना।

मुरैना जिले में एक तालाब के किनारे एक युवक का शव मिला। खबर फैलते ही इलाके में सनसनी मच गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू किया गया। जांच में जो पता चला उसे जानकर सब लोग हैरान हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान दिलीप कुशवाहा के रूप में हुई है। यह मामला मुरैना के बानमौर थाना इलाके की है।

पुलिस डायरी के मुताबिक, दिलीप के पिता धनीराम कुशवाहा ने चार दिन पहले मृतक के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस दिलीप की तलाश कर रही थी। बुधवार रात करीब 2-3 बजे दिलीप का शव एक तालाब के किनारे मिला। डेड बॉडी पर मार-पीट के निशान थे। बानमौर थाना प्रभारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपियों ने पीट-पीटकर दिलीप की हत्या की है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि, मृतक ग्वालियर में रहकर किसी एग्जाम की तैयारी कर रहा था। वहां मृतक का एक कोचिंग सेंटर में एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती दूसरे समाज की थी, इसलिए युवती के परिजन दोनों के रिश्ते के खिलाफ थे। युवती के परिजनों ने उसकी शादी ग्वालियर में किसी दूसरे युवक से करा दी।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, युवती से मिलने मृतक उसके ससुराल पहुंच गया। वहां युवती के ससुराल वालों ने मृतक की पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान ही दिलीप की मौत हो गई। संभवतः हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव को तालाब के किनारे फेंक दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बच्चे, बड़े युवा एवं महिलाएं हर कोई होली के रंग में रंगा

कहीं 6 को जली होली तो कहीं 7 को, धुलेटी मनी बुधवार को

माही की गूंज, झाबुआ।

सभी पर्व में बच्चों व महिला का उत्साह देखने को मिलता है तो ही वह पर्व रंगारंग ही हो जाता है और बात करें होली के पर्व की तो इस पर्व में भी बच्चों, युवाओं के साथ महिलाओं का भी उत्साह देखने को मिलता है और उम्रदराज व्यक्ति भी इस रंगो के त्यौहार में अपने आपको सरोबार करते हैं।

वाकई में यह होली का पर्व ऊंच-नीच, छोटा-बड़ा, पुरुष-महिला एवं धर्मनिरपेक्ष होकर रंगों का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। झाबुआ शहर की बात करें तो यहां के हर गली, मोहल्ले व चौराहे पर छोटो से लेकर बड़ों तक होलीका दहन के बाद जिले में अधिकांश बुधवार को धुलेटी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वही सूर्यअस्त के समयातंर के जद्दोजहद के चलते जिले में कई जगह 6 मार्च को और कई जगह 7 मार्च को होलिका दहन किया गया, वहीं धुलेटी बुधवार 8 मार्च को मनाई गई।

40 फिट ऊंचाई पर उल्टा लटक कर की मन्नत पूरी, ग्रामीणों में चूल के साथ मनाई गल परम्परा

माही की गूंज, झाबुआ/कल्याणपूरा।

यहां के आदिवासी समाज की अपनी एक अलग ही दुनिया है। यहां ऐसी ही एक परंपरा के बारे में जिसमें मन्नत पूरी होने पर आदिवासी गले और कमर के बल लटककर देवता का शुक्रिया अदा करते हैं। कल्याणपुरा से सटे बरखेड़ा में धुलेटी के दिन गल देवता का मेला देखने हजारों की संख्या मे जनसैलाब उमड़ा जिमसें मन्नत धारियों ने अपनी मन्नत उतारी।

क्या है गल घूमने की परंपरा

आदिवासियों में प्रचलित है। होली के दूसरे दिन आदिवासी समाज गल नामक देवता की पूजा करते हैं और देवता से बच्चे की शादी, जन्म, किसी बीमारी से मुक्ति आदि की मन्नत मांगते हैं। बरखेड़ा के सरपच पर्वत निनामा के मुताबिक् मन्नत मांगते समय व्यक्ति ये वचन देता है कि, मन्नत पूरी होने पर वो 5, 7 या 11 बार गल घूमेगा। भगवान से मांगी गई मन्नत के पूरी होने पर गल घूमने की परंपरा निभाई जाती है।

कैसे घूमते हैं गल

होली के पहले लगने वाले मेले में एक 30 से 40 फ़ीट ऊंचा मचान बनाया जाता है। इस पर खाट रखकर क्रेन के जैसा झूला लगाया जाता है। मन्नतधारी को उसके परिजन रंगीन कपड़े और पगड़ी पहनाकर गीत गाते हुए पूजा स्थल तक लाते हैं। यहां तड़वी यानी पुजारी पहले उससे पूजा करवाता है फिर उसे मचान पर चढ़ाकर झूले पर उलटा लटका देता है। इसके बाद झूले के दूसरे हिस्से पर टंगी रस्सी से लटकाकर लोग झूलते हैं और दूसरी तरफ उलटा लटका हुआ मन्नतधारी आसमान में झूलता रहता है। चक्कर पूरे होने पर तड़वी फिर उससे पूजा करवाता है और यदि उसने मन्नत में बलि देने का वादा किया है तो बलि भी चढ़ावाता है।

ज़मीन और आसमान के देवता को खुश करने के लिए घूमते हैं गल

पर्वत बताते है कि, ये परंपरा सालों से चली आ रही है। यहां के आदिवासी समाज को ये भरोसा है कि, उनका देवता ज़मीन और आसमान दोनों पर राज करता है। इसलिए उसे खुश करने के लिए ये लोग ज़मीन और आसमान के बीच घूमते हैं।

होली सोम को तो धुलेटी बुधवार को मनाई गई

माही की गूंज, काकनवानी।

उज्जैन पंचांग के अनुसार होलिका दहन सोमवार रात्रि को बताया गया, तो वही कई अन्य पंचांग मंगलवार को भी पूर्णिमा होलिका दहन बताया गया। लेकिन कई जगह शास्त्र के अनुसार सोमवार दोपहर पश्चात पूर्णिमा बताया गया। जिससे कई जगहों पर होलिका दहन सोमवार को ही की गई उसी तर्ज पर ग्राम काकनवानी में होलिका दहन सोमवार को किया गया एवं रंगों का त्योहार धुलेटी बुधवार को बड़ी ही धूमधाम से डीजे पर रंग बरसे भीगे चुनरिया वाली रंग बरसे की धुन पर नाचते हुए फ़वारे की बौछार के साथ धुलेटी पर्व मनाया गया।

सरपंच पुत्र को दी श्रद्धांजलि

बुधवार को धुलेटी मनाने से पहले काकनवानी के समस्त ग्रामवासी बच्चे, बूढ़े एवं महिलाओं ने भी सरपंच के घर पहुंच कर सरपंच पुत्र राजू निनामा की आत्मा को शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की एवं राजू के पिता एवं उनके पूरे परिवार को चंदन से तिलक लगाकर आत्मीय बधाई दी गई एवं सांत्वना देते हुए ग्राम वासियों ने कहा कि, अब पंचायत में सारे काम पड़े हैं जो कि सभी को मिलकर करना है हम समस्त ग्रामवासी आपके साथ में हैं एवं आपके इस दुख की घड़ी में सभी लोग शामिल है, अब पंचायत का कार्य सुचारू रूप से शुरू किया जाए

निकाली गई गैर

होली-धुलेटी पर्व का बच्चों को बेसब्री से इंतजार रहता है, ऐसे इंतजार के चलते होलिका दहन के तीसरे दिन धुलेटी पर युवा बुजुर्ग महिलाएं एवं बालक-बालिकाओं ने जोर-शोर से बाजार में डीजे एवं पानी के टैंकर को साथ में लेकर जमकर रंग-गुलाल उड़ाए एवं जगह-जगह पानी की मोटर शुरू कर पानी की बौछार उड़ाई गई। सारा गांव रंग मय हो गया, बड़े ही उत्साह से शांतिपूर्ण ढंग से होलिका दहन उत्सव एवं रंगों का त्योहार मनाया गया।

आस्था पर विश्वास भारी, दहकते अंगारों पर नंगे पैर चले मन्नत धारी

माही की गूंज, सारंगी।

हिंगलाज माता मंदिर पर वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी सभी मन्नत धारी ने अपनी-अपनी मन्नत उतारी। अंगारों पर 40 से अधिक मन्नत धारियों ने अंगारों पर नंगे पांव चलकर अपनी मन्नत उतारी। चूल को देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी। सभी भक्त चूल पर चलकर हिंगलाज माता से अपने परिवार की सुख शांति की प्रार्थना करते हैं उन लोगों का कहना है कि, जो भक्त हिंगलाज माता की मन्नत लेकर चूल में चलता है उसकी सभी मनोकामनाएं हिंगलाज माता पूरी करती है।

टेमरिया में बच्चे को कंधे पर उठाकर चूल से निकलकर मनन्त पूरी करता मनन्तधारी।

चूल को देखने के लिए आसपास के कई गांव से भक्त पधारें और माता का आशीर्वाद प्राप्त करते है।

सारंगी चौकी पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद रहा। चूल में चलने वाले भक्तों से बातचीत की तो उन्होंने बताया माता रानी के आशीर्वाद से हम नंगे पेर दहकते अंगारों पर चलते हैं यह सब मां की कृपा से होता है। धधकती अंगारों पर चलने वाले किसी भी भक्तों को हिंगलाज माता की कृपा से कुछ नहीं होता है। इस कार्यक्रम को देखने के लिए हजारों भक्तों की भीड़ उमड़ती, महाआरती के बाद प्रसादी वितरण की गई।

पिचकारी व गुब्बारों में रंग भर दिखाया बच्चों ने उत्साह

माही की गूंज, खवासा।

बुधवार को धुलेटी के रंग में हर कोई रंगा मिला। सुबह से ही खासकर बच्चों में ही रंगो के त्यौहार धुलेटी पर्व पर उत्साह देखा गया। कहीं पिचकारी तो कहीं रंग के गुब्बारे भर एक-दूसरे पर रंग लगाकर खुशियों को बांटा। वहीं युवाओं, बड़ो एवं महिलाओं ने भी रंगों के त्यौहार का लुफ्त उठाते हुए एक-दूसरे को रंग लगाकर होली के पर्व की शुभकामनाएं दी।

अंतिम भगोरिए पर्व का छाया जबरदस्त उत्साह, राजनीतिक दलों ने निकाली गैर, प्रशासन रहा मुस्तैद

माही की गूंज, थांदला।

अल्हड़ मस्ती, सभ्यता, संस्कृति और आनंद उत्सव का प्रतीक भगोरिया पर्व थांदला में मंगलवार को उत्साह के साथ मनाया गया। थांदला में इस वर्ष का अंतिम भगोरिया पर्व होने से ग्रामीणों का उत्साह परवान चढ़ गया। वहीं आगामी विधानसभा चुनाव के अंतिम भगोरिया में राजनीतिक दलों ने भी अपनी पूरी ताकत लगा दी। संस्कृति और राजनीति के पूर्ण समावेश के साथ मना भगोरिया पर्व जाते-जाते संत भूमि थांदला पर अपनी अमिट छाप छोड़ गया।

फागुनमास के अंतिम दिन मौसम के उतार चढ़ाव के बीच भले ही भगोरिया समर खत्म हो चुका हो। लेकिन भगोरिया समर ने चुनावी रंग को अंचल के केनवास पर उतार कर चुनावी समर का आगाज़ कर दिया है। मंगलवार को भगोरिया मेले में कांग्रेस, भाजपा, आप और जयस पार्टियों ने अपनी-अपनी गेर निकाली। इधर सामान्य ग्रामीण युवा अपनी एक अलग ही गेर में था। युवक-युक्तियां अपने-अपने झुंड बनाकर मस्तियां करते, गीत गाते भगोरिया पर्व का पूरा-पूरा लुफ्त उठा रहे थे। पर्व के दौरान ग्राहकी भी जोरदार चली। ग्रामीणों ने झूले-चकरी का भरपूर मजा लिया। वही पूरे दिन कपड़ा, किराना, आभूषण, होटल चाय, पान की दुकानों पर ग्रामीण ग्राहकों की भीड़ रही।

भाजपा, जयस और कांग्रेस आमने-सामने

माना जा रहा है कि, आदिवासी अंचलों में आगामी विधानसभा चुनाव में प्रमुख पार्टी भाजपा और कांग्रेस को तेजी से उभरी जयस पार्टी कड़ी चुनोती देगी। इस चुनौती से निपटने के लिए दोनों ही प्रमुख पार्टियों ने अपने-अपने खेमे में योजनाएं भी बनाना शुरू कर दी है। लेकिन भगोरिया के अंतिम दिन थांदला में उक्त तीनों ही पार्टियों की प्रतिस्पर्धा स्पष्ट रूप से सामने आई हैं। तीनों ही पार्टियों द्वारा निकाली गई गैर थांदला के हनुमान अष्ट मंदिर प्रांगण में आमने-सामने हो गई। हालांकि प्रशासन, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सूझबूझ से सामान्य रूप से तीनों ही पार्टियों की गैर अपने-अपने गंतव्य तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि, तीनों ही पार्टियों ने उक्त गैर को निकालने के लिए पिछले डेढ़ माह से तैयारियां शुरू कर दी थी। भाजपा की गेर में मुख्यरूप से राज्य उद्योग मंत्री और आलीराजपुर जिला प्रभारी मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबर शामिल थे।

कांग्रेस द्वारा निकाली गई गेर में मुख्य रूप से विधायक वीरसिंह भूरिया, जिला जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनल जसवंतसिंह भाबर शामिल थे। कांग्रेस की गेर में 40 से अधिक ढोल मांदल शामिल थे।

वही जयस द्वारा निकाली गई रैली का प्रतिनिधित्व युवा वर्ग कर रहा था। उत्साही युवा वर्ग ने अपने हाथों में जयस के झंडे ले रखे थे। किसी ने पीली पगड़ी, तो किसी ने पीला गमछा अपने गले में डाल रखा था।

दो दिन अलग-अलग हुआ होलिका दहन

होलिका दहन भद्रा के कारण मुहूर्त रात 12.40 से पांच बड़े मुहूर्त में होली जली। नगर में विभिन्न एवं प्रमुख चौराहों ढोली मोहल्ला, सरदार पटेल मार्ग, होली चौक, भोई मोहल्ला, पिपली चौराहा आदि स्थानों पर आज रात में होलिका दहन हुआ। इसके लिए 5.30 घंटे का सिर्फ एक ही मुहूर्त था। दरअसल, इस साल पूर्णिमा दो दिन तक होने से कल शाम को 4.18 पर शुरू हुई और इसके साथ भद्रा दोष भी था, रात में 12.40 से होली जलाने का मुहूर्त रहा लेकिन कुछ जगह बिना मुहूर्त के होलिका दहन हुआ।

इससे पहले 1994 में ऐसा हुआ था। वहीं, धुलेटी (रंग वाली होली) नगर एवं पूरे देश में बुधवार को मनाईं गई। मतलब देश के ज्यादातर राज्यों में होली जलने के 24 घंटे बाद ही रंग खेला गाया। अंचल में सुबह से ही गली-मोहल्लों व कालोनियों में बच्चों महिलाओं व युवाओं की टोलियां रंग-गुलाल से होली का आनंद उठा रहे थे।

आस्था के आगे धधकते आंगारो की आंच भी पड़ गई कमजोर

वर्षों से चली आ रही परम्परा को निभाते हुए चूल में चले मन्नतधारी

क्या बच्चे, क्या बुज़ुर्ग, क्या महिलाएं एक के बाद एक निकल गए जलते आंगारो से

करवड़: चूल में निकलने के लिए अपनी बारी के इंतजार में मनन्तधारी।

चूल पर चलती मन्नतधारी महिला।

माही की गूंज, करवड़।

मप्र के झाबुआ जिले के पेटलावद विकासखण्ड के ग्राम करवड़, सारंगी, बावड़ी, अनंतखेड़ी, टेमरिया आदि स्थानो पर यह पर्व पारंपरिक रूप से मनाया गया। ग्राम करवड़ में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी धुलेटी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें गांव के आसपास के क्षेत्र से कई युवा माताएं बुजुर्ग अपनी मनोकामना लेकर धधंकते अंगारों पर चलकर अपनी मन्नत उतारते हैं।

आस्था ऐसी की इसके आगे धधकते आंगारो की आंच भी पड़ गईं कमजोर

नगर अंबिका मन्दिर प्रांगण में स्टेट जमाने से चला आ रहा है चूल का आयोजन मां हिंगलाज की कृपा से प्रतिवर्ष नंगे पैरों से बच्चे, माताएं, बुजुर्ग अपनी आस्था लेकर धंधकते अंगारों पर चलकर अपनी मन्नत उतारते हैं। मन्नतधारी नगर के कुए से जल भरकर शिव मंदिर पर जल चढ़ाते हैं एवं जुलूस के रूप में चूल स्थल पर पहुँचते जहां कार्यक्रम में शामिल हजारों की संख्या में मौजूद ग्रामीणों के सामने एक आग के दरिया से गुजरते जाते हैं। आश्चर्य कि बात ये है कि, ऐसी आग से निकलने के बाद किसी को कोई परेशानी नही होती। इससे पहले स्थानीय लोगो द्वारा हाथ से चुल को खोदकर उसमें लकड़िया को डालकर जलाया जाता है। जिसके पश्चात उसमें घी डालकर अंगारों को तैयार किया जाता है। चूल पर सबसे पहले गांव के सुखराम पाटीदार सड़किया के द्वारा धंधकते अंगारों पर चलते हैं और अपनी मन्नत पूरी करते हैं। प्रतिवर्ष चूल में चलने वालों की संख्या 200 से ढाई सौ के करीब होती है , इसमें बच्चे माताएं महिलाएं भाग लेती है। इस आयोजन में अनुभाग अधिकारी अनिल राठौर, एसडीओपी सोनू डावर ,टीआई राजू सिंह बघेल एवं चौकी प्रभारी गोवर्धन मकवाना अपने दल-बल के साथ मुस्तैद रहे और आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्राम पंचायत सरपंच विकास गामड़ सहित नगर के वरिष्ठ नागरिक का विशेष सहयोग रहता है। इस कार्यक्रम में पुलिस के द्वारा 11 पॉइंट बनाए गए थे, जिसमें हर जगह पर पुलिस को तैनात किया जाता है। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों की संख्या 5-8 हजार तक की संख्या आती है। गांव वालों का कहना है कि, धुलेटी के दिन गांव का भगोरिया भी कहा जाता है इस दिन बाजार में व्यापार भी अधिक होता है। खाने-पीने की चीजों पर खूब खरीदी-बिक्री होती है। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। यह परंपरा गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि, कई वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को हम भी आज तक निभा रहे हैं। मंदिर के पुजारी कैलाश बैरागी के द्वारा सभी भक्तों को तिलक लगाकर शुभ आशीर्वाद दिया जाता है। यह आयोजन गांव के बीच में जय मां अंबे मंदिर पर 11 हाथ की चुल को खोद कर किया जाता है। ग्राम पंचायत के द्वारा जगह-जगह ठंडे पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाती है एवं ग्राम पंचायत के सरपंच विकास बाबू लाल गामड़, उपसरपंच राजेश पाटीदार, सचिव आशीष बैरागी, हल्का पटवारी ईश्वरलाल पाटीदार एवं ग्रामीण से विनोद सोलंकी, संतोष पाटीदार, कमलेश गहलोत, भंवर सिंह सिसोदिया ,संभव गामड़ संतोष भालोड ,कन्हैयालाल खरीवाल ,तेजपाल पाटीदार का विशेष सहयोग रहता है।

चूल देखने उमड़ी भीड़।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422